



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

पं० 1] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 2, 1993 (पौष 12, 1914)  
न०. 1] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 2, 1993 (PAUSA 12, 1914)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### विषय सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी अधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)
1	*
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश
1	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखा-परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
1	1
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस
1	1
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
*	*
भाग II—खण्ड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं
*	1
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस
*	1
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों की दर्शाने वाला अनुपूरक
*	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकारियों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	
*	

\*आंकड़े प्राप्त नहीं ।

## CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court.		PART II —SECTION 3—SUB SEC. (iii) Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Byelaws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court.	1	PART II —SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	1	PART III —SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1	PART III —SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	1
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III —SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III —SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV —Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	1
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Byelaws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V —Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

**भाग I—खण्ड 1**

**[PART I—SECTION 1]**

**मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं**

**[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and the Supreme Court]**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1992

**आदेश**

**विषय —**तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग को कच्छ अपतटीय ब्लॉक-I विस्तार क्षेत्र के 10,313 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की पुनः स्वीकृति ।

सं० ओ०-12012/14/92-ओ० एन० जी० डी०-4— पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम 5 के खंड (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, तेल भवन, देहरादून को (जिसे इसके पश्चात आयोग कहा गया है) कच्छ अपतटीय ब्लॉक-I विस्तार क्षेत्र के 10,313 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पेट्रोलियम मिलने की संभावना हेतु एक पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की 1 जनवरी, 1993 (1-1-1993) से 4 वर्ष के लिए स्वीकृति देती है। इसके विवरण इसके साथ संलग्न अनुसूची "क" में दिए गए हैं।

लाइसेंस की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों पर है :—

- (क) अन्वेषण लाइसेंस पेट्रोलियम के संबंध में होगा।
- (ख) यदि अन्वेषण कार्य के दौरान कोई अन्य खनिज पदार्थ पाए गए तो आयोग पूर्ण ब्यौरे के साथ उसकी सूचना केन्द्रीय सरकार को देगा।
- (ग) स्वत्व शुल्क (रायल्टी निम्नलिखित दरों पर ली जायेगी :—

(i) समस्त अशोधित तेल तथा केसिंग हैड कन्डेन्सेट पर 314 रुपये प्रति मीट्रिक टन या ऐसी दर जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित की जायेगी।

(ii) प्राकृतिक गैस के संबंध में ये दरें केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होगी।

स्वत्व शुल्क (रायल्टी) की अदायगी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, नई दिल्ली के वेतन तथा लेखा अधिकारी को की जायेगी।

(घ) आयोग लाइसेंस के अनुसरण में प्रत्येक माह के प्रथम 30 दिनों में गत माह से प्राप्त समस्त अशोधित तेल की मात्रा, केसिंग हैड कन्डेन्सेट और प्राकृतिक गैस की मात्रा तथा उसका कुल उचित मूल्य दर्शाने वाला एक पूर्ण तथा उचित विवरण केन्द्रीय सरकार को भेजेगा। यह विवरण संलग्न अनुसूची "क" "ख" में दिए गए प्रपत्र में भर कर देना होगा।

(ङ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम II की अपेक्षाओं के अनुसार आयोग 50,000/- रुपये की धनराशि प्रतिभूति के रूप में जमा करेगा।

(च) आयोग प्रति वर्ष लाइसेंस के संबंध में एक शुल्क का भुगतान करेगा जिसकी संगणना प्रत्येक वर्ग किलोमीटर या उसके किसी अंश के लिए जिसका लाइसेंस

में उल्लेख किया गया होगा, निम्नलिखित दरों पर की जायेगी :—

- (1) लाइसेंस के प्रथम वर्ष के लिए 8/- रुपये
- (2) लाइसेंस के द्वितीय वर्ष के लिए 40/- रुपये
- (3) लाइसेंस के तृतीय वर्ष के लिए 200/- रुपये
- (4) लाइसेंस के चतुर्थ वर्ष के लिए 400/- रुपये
- (5) लाइसेंस के नवीनीकरण के प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए 600/- रुपये।

(छ) आयोग को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम II के उपनियम (3) की अपेक्षाओं के अनुसार अन्वेषण लाइसेंस में उल्लिखित किसी क्षेत्र के किसी भाग को छोड़ देने की स्वतंत्रता, सरकार को दो माह की लिखित नोटिस देने के बाद होगी।

(ज) आयोग केन्द्रीय सरकार को आग किए जाने पर तत्काल तेल तथा प्राकृतिक गैस अन्वेषण के दौरान पाये गये समस्त खनिज पदार्थों के संबंध में भू-वैज्ञानिक आंकड़ों के बारे में एक पूर्ण रिपोर्ट गुप्त रूप से लेगा तथा हर 6 महीने में निश्चित रूप से केन्द्रीय सरकार को समस्या परिचालनों, व्यय तथा अन्वेषण कार्यों के परिणामों के बारे में सूचना देगा।

(झ) आयोग समुद्र की "तलछटी" और या उसकी सतह पर आग बुझाने संबंधी निवारक उपायों की व्यवस्था करेगा तथा आग बुझाने हेतु हर समय के लिए उपकरण, सामान तथा साधन बनाये रखेगा और तीसरी पार्टी और या सरकार को उतना मुआवजा देगा जितना कि आग लगने से हुई हानि के बारे में निर्धारित किया जायेगा।

(त्र) इस अन्वेषण लाइसेंस पर तेल क्षेत्र (नियम और विकास) अधिनियम, 1948 (1948 का 53) पर पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के उपबंध लागू होंगे।

(ट) पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस के बारे में आयोग केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित एक ऐसे फार्म पर दस्तावेज भर कर देगा जो अपनटीय क्षेत्रों के लिए व्यवहार्य होगा।

(ठ) आयोग खुदाई/अन्वेषी आपरेशनों/सर्वेक्षणों के दौरान एकत्र किए गए बाथी मीट्रिक सतही नमूने, धारा और चुम्बकीय आंकड़े यथा सामान्य रूप से रक्षा मंत्रालय, नौसेना मुख्यालय को प्रस्तुत करेगा।

(ड) आयोग समुद्री विज्ञान अ शिचत करता है।

(ढ) संपूर्ण आंकड़े भारत में संकलित

(ण) यदि विदेशी जलपोत को सर्वे जाता है तो सर्वेक्षण करने से पूर्व नौसेना विशेषज्ञ अधिकारी दल द्वारा नौसेना सुरक्षा निरीक्षण किया जायेगा। भारत में ऐसे जलपोतों के आने के बारे में कम से कम एक माह पूर्व नोटिस दिया जाना चाहिए ताकि निरीक्षण दल की प्रतिनियुक्ति में सुविधा हो।

(त) इस संबंध में आयोग द्वारा समुद्र विज्ञान संबंधी आंकड़ों की तैयार की गई संपूर्ण प्रति नौसेना मुख्यालय तथा मुख्य हाइड्रोग्राफर को निशुल्क उपलब्ध करायी जाती है।

अनुसूची 'क'

कच्छ अपतटीय ब्लॉक-I विस्तार क्षेत्र के 10,313 वर्ग-किलोमीटर क्षेत्र का भौगोलिक निर्देशांक

प्वाइंट	अक्षांतर	देशांतर
के	22° 45" 00"	67° 55" 00"
एल	22° 45" 00"	68° 40" 00"
ए	23° 00" 00"	68° 40" 00"
बी	22° 45" 00"	69° 12" 00"
सी	22° 45" 00"	69° 19" 00"
एफ	22° 33" 00"	69° 19" 00"
जी	22° 33" 00"	68° 55" 00"
एच	22° 12" 00"	68° 55" 00"
एम	22° 10" 00"	68° 20" 00"
ओ	22° 10" 00"	68° 05" 00"
ओ	21° 55" 00"	68° 05" 00"
क्यू	21° 55" 00"	68° 11" 30"
आर	21° 39" 00"	68° 11" 30"
जे	21° 39" 00"	67° 55" 00"

## अनुसूची-ख

तेल, केसिंग कन्डेन्सेट तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा उसके मूल्य सहित मासिक वितरण के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस

## क्षेत्रफल

## माह तथा वर्ष

## (क) अशोधित तेल

कुल प्राप्त मी० टन की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन की सं०	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

## (ख) केसिंग हैड कन्डेन्सेट

प्राप्त किये गये कुल मी० टन की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

## (ग) प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त घन मीटरों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये गए घन मीटरों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये घन मीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त घन मीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

एतद् द्वारा मैं श्री ..... सत्य निष्ठापूर्वक घोषणा एवं पुष्टि करता हूँ कि इस विवरण में दी गई सूचना पूर्ण रूपेण सत्य और सही है, उसे सही समझते हुए मैं शुद्ध अन्तःकरण से सत्यनिष्ठा से यह घोषणा करता हूँ।

हस्ताक्षर

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से तथा उनके नाम पर।

एम० मार्टिन  
डेस्क अधिकारी

## आदेश

विषय :—तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग को कावेरी अपतटीय सी० वाई० ओ० एस०-90/1 ब्लॉक के 81.00 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की मंजूरी।

सं० ओ०-12012/26/92-ओ० एन० जी० डी०-4--  
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम 5 के खंड (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, तेल भवन, देहरादून को (जिसे इसके पश्चात आयोग कहा गया है) कावेरी अपतटीय सी० वाई० ओ० एस०-90/1 ब्लॉक के 81.00 वर्ग कि० मी० क्षेत्र में पेट्रोलियम मिलने की संभावना हेतु एक पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की 2 सितम्बर, 1992 (2-9-1992) से 4 वर्ष के लिए स्वीकृति देती है। इसके विवरण इसके साथ संलग्न अनुसूची "क" में दिए गए हैं।

लाइसेंस की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों पर है :—

(क) अन्वेषण लाइसेंस पेट्रोलियम के संबंध में होगा।

(ख) यदि अन्वेषण कार्य के दौरान कोई अन्य खनिज पदार्थ पाए गए तो आयोग पूर्ण व्यौरे के साथ उसकी सूचना केन्द्रीय सरकार को देगा।

(ग) स्वत्व शुल्क (रायल्टी) निम्नलिखित दरों पर ली जायेगी :—

(i) समस्त अशोधित तेल तथा केसिंग हैड कन्डेन्सेट पर 314 रुपये प्रति मीट्रिक टन या ऐसी दर जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित की जायेगी। (ii) प्राकृतिक गैस के संबंध में ये दरें केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होंगी।

स्वत्व शुल्क (रायल्टी) की अदायगी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, नई दिल्ली के वेतन तथा लेखा अधिकारी को की जायेगी।

(घ) आयोग लाइसेंस के

प्रथम 30 दिनों में गत :

धित तेल की मात्रा, केसिंग

प्राकृतिक गैस की मात्रा तथा :

मूल्य दर्शाने वाला एक पूर्ण तथा उचित।

सरकार को भेजेगा। यह विवरण संलग्न :

"क" "ख" में दिए गए प्रपत्र में भर कर देना होगा

(ङ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम-II की अपेक्षाओं के अनुसार आयोग 50,000/- रुपये की धनराशि प्रतिभूति के रूप में जमा करेगा।

(च) आयोग प्रति वर्ष लाइसेंस के संबंध में एक शुल्क का भुगतान करेगा जिसकी संगणना प्रत्येक वर्ग किलोमीटर या उसके किसी अंश के लिए जिसका लाइसेंस में उल्लेख किया गया होगा, निम्नलिखित दरों पर की जायेगी :—

(1) लाइसेंस के प्रथम वर्ष के लिए 8/- रुपये

(2) लाइसेंस के द्वितीय वर्ष के लिए 40/- रुपये

(3) लाइसेंस के तृतीय वर्ष के लिए 200/- रुपये

(4) लाइसेंस के चतुर्थ वर्ष के लिए 400/- रुपये

(5) लाइसेंस के नवीनीकरण के प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए 600/- रुपये।

(छ) आयोग को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम II के उपनियम (3) की अपेक्षाओं के अनुसार अन्वेषण लाइसेंस में उल्लिखित किसी क्षेत्र के किसी भाग को छोड़ देने की स्वतंत्रता, सरकार को दो माह की लिखित अवधि नोटिस देने के बाद होगी।

(ज) आयोग केन्द्रीय सरकार को मांग किए जाने पर तत्काल तेल तथा प्राकृतिक गैस अन्वेषण के दौरान पाये गये समस्त खनिज पदार्थों के संबंध में भू-वैज्ञानिक आंकड़ों के बारे में एक पूर्ण रिपोर्ट गुप्त रूप से

लेगा तथा हर 6 महीनों में निश्चित रूप से केन्द्रीय सरकार को समस्त परिचालनों, व्यय तथा अन्वेषण कार्यों के परिणामों के बारे में सूचना देगा।

(झ) आयोग समुद्र की "तलछटी" और या उसकी सतह पर आग बुझाने सम्बन्धी निवारक उपायों की व्यवस्था करेगा तथा आग बुझाने हेतु हर समय के लिए उपकरण सामान तथा साधन बनाए रखेगा और तीसरी पार्टी और/या सरकार को उतना मुआवजा देगा जितना कि आग लगने से हुई हानि के बारे में निर्धारित किया जायेगा।

(त्र) इस अन्वेषण लाइसेंस पर तेल क्षेत्र (विनियम और विकास) अधिनियम, 1948 (1948 का 53) पर पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के उपबन्ध लागू होंगे।

(ट) पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस के बारे में आयोग केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित एक ऐसे फार्म पर दस्तावेज भर कर देगा जो अपतटीय क्षेत्रों के लिए व्यवहार्य होगा।

(ठ) आयोग खुदाई/अन्वेषी आपरेशनों/सर्वेक्षणों के दौरान एकत्र किए गए बाथीमीट्रिक सतही नमूने, धारा और चुम्बकीय आंकड़े यथा सामान्य रूप से रक्षा मंत्रालय, नौसेना मुख्यालय को प्रस्तुत करेगा।

(ड) आयोग समुद्री विज्ञान आकड़ों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

(ढ) संपूर्ण आंकड़े भारत में संकलित किये जाते हैं।

(ण) यदि विदेशी जलपोत को सर्वेक्षण पर लगाया जाता है तो सर्वेक्षण करने से पूर्व उनका भारतीय नौसेना विशेषज्ञ अधिकारी दल द्वारा नौसेना सुरक्षा निरीक्षण किया जायेगा। भारत में ऐसे जलपोतों के आने के बारे में कम से कम एक माह पूर्व नोटिस दिया जाना चाहिए ताकि निरीक्षण दल की प्रतिनियुक्ति में सुविधा हो।

(त) इस सम्बन्ध में आयोग द्वारा समुद्र विज्ञान सम्बन्धी आंकड़ों की तैयार की गई संपूर्ण प्रति नौसेना मुख्यालय तथा मुख्य हाइड्रोग्राफर को निशुल्क उपलब्ध करायी जाती है।

अनुसूची 'क'

कावेरी अपतटीय ब्लॉक सी बाई-ओ एस-90/1 के लिए 81.00 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का भौगोलिक निर्देशांक

पाइंट	अक्षांतर	देशान्तर
ए	11° 19' 14" एन	80° 03' 33"ई
बी	11° 20' 16" एन	80° 01' 00"ई
सी	11° 18' 17" एन	79° 58' 38"ई
डी	11 14" 07" एन	79° 58' 13"ई
ई	11° 13' 45" एन	80° 02' 12"ई

अनुसूची 'ख'

अशोधित तेल, केसिंग हैड कन्डेन्सेट तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा उसके मूल्य सहित मासिक वितरण के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस क्षेत्रफल

माह तथा वर्ष

(क) अशोधित तेल

कुल प्राप्त मी० टन की संख्या	अपरिहार्य रूप में खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन की सं०	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

(ख) केसिंग हैड कन्डेन्सेट

प्राप्त किये गये कुल मी० टन की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

(ग) प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त घन मीटरों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये गये घन मीटरों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये घन मीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त घन मीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

एतद्वारा मैं, श्री..... सत्य निष्ठापूर्वक घोषणा एवं पुष्टि करता हूँ कि इस विवरण में दी गई सूचना पूर्णरूपेण सत्य और सही है, उसे सही समझते हुए मैं शुद्ध अन्तःकरण से सत्यनिष्ठा से यह घोषणा करता हूँ।

हस्ताक्षर .....

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से तथा उनके नाम पर।

एम० माटिन  
डेस्क अधिकारी



## आदेश

विषय :—तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग को आर० एस० पी० संरचना क्षेत्र के 600.00 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की स्वीकृति ।

सं० ओ०-12012/64/91-ओ० एन० जी० डी०-4—पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम 5 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, तेल भवन देहरादून को (जिसे इसके पश्चात् आयोग कहा गया है) आर एस० पी० संरचना क्षेत्र के 600.00 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में पेट्रोलियम मिलने की संभावना हेतु एक पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस की 18 मार्च, 1991 (18-3-1991) से 4 वर्ष के लिए स्वीकृति देती है । इसके विवरण इसके साथ संलग्न अनुसूची "क" में दिये गये हैं ।

लाइसेंस की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों पर है :—

(क) अन्वेषण लाइसेंस पेट्रोलियम के संबंध में होगा ।

(ख) यदि अन्वेषण कार्य के दौरान कोई अन्य खनिज पदार्थ पाए गए तो आयोग पूर्ण व्यौरे के साथ उसकी सूचना केन्द्रीय सरकार को देगा ।

(ग) स्वत्व शुल्क (रायल्टी) निम्नलिखित दरों पर ली जाएगी :—

(1) समस्त अशोधित तेल तथा केसिंग हैड कन्डेन्सेट पर 314 रुपये प्रति मीट्रिक टन या एसी दर जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी ।

(11) प्राकृतिक गैस के संबंध में ये दरें केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होंगी ।

स्वत्व शुल्क (रायल्टी) की अदायगी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय नई दिल्ली के वेतन तथा लेखा अधिकारी को की जायेगी ।

2—391GI/92

(घ) आयोग लाइसेंस के अनुसरण में प्रत्येक माह के प्रथम 30 दिनों में गत माह से प्राप्त समस्त अशोधित तेल की मात्रा, केसिंग हैड कन्डेन्सेट और प्राकृतिक गैस की मात्रा तथा उसका कुल उचित मूल्य दर्शाने वाला एक पूर्ण तथा उचित विवरण केन्द्रीय सरकार को भेजेगा । यह विवरण संलग्न अनुसूची "ख" में दिए गए प्रपत्र में भर कर देना होगा ।

(ङ) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम II की अपेक्षाओं के अनुसार आयोग 50,000/- रुपये की धनराशि प्रतिभूति के रूप में जमा करेगा ।

(च) आयोग प्रतिवर्ष लाइसेंस के संबंध में एक शुल्क का भुगतान करेगा जिसकी संगणना प्रत्येक वर्ग किलोमीटर या उसके किसी अंश के लिए जिसका लाइसेंस में उल्लेख किया गया होगा, निम्नलिखित दरों पर की जायेगी :—

(1) लाइसेंस के प्रथम वर्ष के लिए 8/- रुपये

(2) लाइसेंस के द्वितीय वर्ष के लिए 40/- रुपये

(3) लाइसेंस के तृतीय वर्ष के लिए 200/- रुपये

(4) लाइसेंस के चतुर्थ वर्ष के लिए 400/- रुपये

(5) लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए 600/- रुपये ।

(छ) आयोग को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959 के नियम II के उपनियम (3) की अपेक्षाओं के अनुसार अन्वेषण लाइसेंस में उल्लिखित किसी क्षेत्र के किसी भाग को छोड़ देने की स्वतंत्रता, सरकार को दो माह की लिखित नोटिस देने के बाद होगी ।

(ज) आयोग केन्द्रीय सरकार को मांग किये जाने पर तत्काल तेल तथा प्राकृतिक गैस अन्वेषण के दौरान पाये गये समस्त खनिज पदार्थों के संबंध में भू-वैज्ञानिक आंकड़ों के बारे में एक पूर्ण रिपोर्ट गुप्त रूप से देगा तथा हर 6 महीने में निश्चित रूप से केन्द्रीय सरकार को समस्त परिचालनों, व्यय तथा अन्वेषण कार्यों के परिणामों के बारे में सूचना देगा।

(झ) आयोग समुद्र की "तलछटी" और या उसकी सतह पर आग बुझाने संबंधी निवारक उपायों की व्यवस्था करेगा तथा आग बुझाने हेतु हर समय के लिए उपकरण, सामान तथा साधन बनाये रखेगा और तीसरी पार्टी और/या सरकार को उतना मुआवजा देगा जितना कि आग लगने से हुई हानि के बारे में निर्धारित किया जायेगा।

(ञ) इस अन्वेषण लाइसेंस पर तेल क्षेत्र (विनियम और विकास) अधिनियम, 1948 (1948 का 53) पर पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस, नियम, 1959 के उपबंध लागू होंगे।

(ट) पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस के बारे में आयोग केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित एक ऐसे फार्म पर दस्तावेज भर कर देगा जो अपतटीय क्षेत्रों के लिए व्यवहार्य होगा।

(ठ) आयोग खुदाई/अन्वेषी आपरेशनों/सर्वेक्षणों के दौरान एकत्र किए गए बायोमीट्रिक सतही नमूने, धारा और चुम्बकीय आंकड़े तथा सामान्य रूप से रक्षा मंत्रालय, नौसेना मुख्यालय को प्रस्तुत करेगा।

(ड) आयोग समुद्री विज्ञान आंकड़ों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

!(ड) संपूर्ण आंकड़े भारत में संकलित किये जाते हैं।

(ण) यदि विदेशी जलपोत को सर्वेक्षण पर लगाया जाता है तो सर्वेक्षण करने से पूर्व उनका भारतीय नौसेना विशेषज्ञ अधिकारी दल द्वारा नौसेना सुरक्षा निरीक्षण किया जायेगा। भारत में ऐसे जलपोतों के आने के बारे में कम से कम एक माह पूर्व नोटिस दिया जाना चाहिए ताकि निरीक्षण दल की प्रतिनियुक्ति में सुविधा हो।

(त) इस संबंध में आयोग द्वारा समुद्र विज्ञान संबंधी आंकड़ों की तैयार की गई संपूर्ण प्रति नौसेना मुख्यालय तथा मुख्य हाइडोग्राफर को निशुल्क उपलब्ध करायी जाती है।

अनुसूची 'क'

आर एसपी संरचना क्षेत्र के लिए 600.00 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का भौगोलिक निर्देशांक

प्वाइंट	अक्षांतर	देशान्तर
क	18° 00" 00"	72° 03" 00"
ख	18° 00" 00"	72° 12" 00"
ग	17° 40" 00"	72° 12" 00"
घ	17° 40" 00"	72° 03" 00"

## अनुसूची—“ख”

अशोधित तेल, केसिंग हैड कन्डेन्सेट तथा प्राकृतिक गैस के उत्पादन तथा उसके मूल्य सहित मासिक वितरण के लिए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस

## क्षेत्रफल

## माह तथा वर्ष

## (क) अशोधित तेल

कुल प्राप्त मी० टन की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन की सं०	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

## (ख) केसिंग हैड कन्डेन्सेट

प्राप्त किये गये कुल मी० टन की संख्या	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये मी० टन की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये मी० टनों की सं०	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त मी० टन की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

## (ग) प्राकृतिक गैस

कुल प्राप्त घन मीटरों की सं०	अपरिहार्य रूप से खोये अथवा प्राकृतिक जलाशय को लौटाये गए घन मीटरों की संख्या	केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित पेट्रोलियम अन्वेषण कार्य हेतु प्रयोग किये गये घन मीटरों की संख्या	कालम 2 और 3 को घटाकर प्राप्त घन मीटरों की संख्या	टिप्पणी
1	2	3	4	5

एतद्वारा मैं श्री..... सत्य निष्ठापूर्वक घोषणा एवं पुष्टि करता हूँ कि इस विवरण में दी गई सूचना पूर्णरूपेण सत्य और सही है, उसे सही समझते हुए मैं शुद्ध अन्तःकरण से सत्यनिष्ठा से यह घोषणा करता हूँ।

हस्ताक्षर—

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से तथा उनके नाम पर।

एम० मार्टिन  
हैस्क अधिकारी

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1993

सं. 92/ई. (जी. आर.) 1/1/11—यांत्रिकी इंजीनियरों को भारतीय रेल सेवा में विशेष श्रेणी अप्रेंटिसों के रूप में नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों का चयन करने के उद्देश्य से सच लोक सेवा आयोग द्वारा 1993 में ली जाने वाली प्रतियोगी परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2. परीक्षा परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख आयोग द्वारा जारी किए जाने वाले नोटिस में किया जाएगा। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के संबंध में रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा नियत की जाने वाली संख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. सच लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. उम्मीदवारों के लिए आवश्यक होगा कि वह या तो

(क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या

(ख) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में अस्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(ङ) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और केन्या, उगांडा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य, भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार पूर्वी अफ्रीकी देशों से या जाम्बिया, मलावी, जेरे इथियोपिया और वियतनाम से आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पत्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

ऐसे उम्मीदवारों को भी उक्त परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है जिसके बारे में पत्रता-प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक हो किन्तु उसकी नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा उस सम्बन्ध में पत्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही भेजा जा सकता है।

5. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु पहली जनवरी, 1993 को 16 वर्ष हो चुकी हो लेकिन 20 वर्ष न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1973 से पहले और पहली जनवरी, 1977 के बाद का न हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्न-लिखित मामलों में ढील दी जा सकती है :—

(1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।

(2) यदि उम्मीदवार कुर्वत या इराक से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो जो इन दशों में से किसी देश से 15 मई, 1990 के बाद लेकिन 22 नवम्बर, 1991 से पहले भारत प्रवृज्ज कर चुका हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और कुर्वत या इराक से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो जो इन दशों में से किसी देश से 15 मई, 1990 के बाद लेकिन 22 नवम्बर, 1991 से पहले भारत प्रवृज्ज कर चुका हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(4) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कर्मियों को अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(5) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निरुक्त किए गए ऐसे रक्षा कर्मियों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों, तो अधिक से अधिक 8 वर्ष।

(6) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) पहली जनवरी, 1993 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) सदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल

समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल पहली जनवरी, 1993 से एक वर्ष के अन्दर पूरा न होता है) या (2) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (3) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।

- (7) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों (साहित्य) न, पहली जनवरी, 1993 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचित् या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल पहली जनवरी, 1993 से एक एक वर्ष के अन्दर पूरा होता है) या (2) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (3) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक 10 वर्ष तक।

- (8) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने पहली जनवरी, 1993 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 5 वर्ष।

- (9) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने पहली जनवरी, 1993 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 10 वर्ष।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में निर्धारित आयु सीमा में छूट नहीं दी जा सकती है।

टिप्पणी 1—“भूतपूर्व सैनिक” शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यथा-संशोधित भूतपूर्व सैनिक (सिविल सेवा तथा पदों में पुनर्नियोजन) नियमावली, 1979 में से भूतपूर्व सैनिक के रूप में परिभाषित किया गया है।

टिप्पणी 2—(नियम 5 (ख) (2) स (9) के अंतर्गत आने वाले वे उम्मीदवार जो अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के नहीं हैं तथा जिन्होंने आयु सीमा में छूट प्राप्त करने के बाद सिविल क्षेत्र में सरकारी नौकरी पहले ही ली है तो वह आयु सीमा में छूट के पात्र नहीं हैं।

#### 6. उम्मीदवार न—

- (क) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय या बोर्ड का इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो;

- (ख) स्कूली शिक्षा की (10+2) प्रणाली के अंतर्गत हायर सेकेंडरी (12 वर्ष) परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी तथा रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो; या

- (ग) किसी विश्वविद्यालय के तीन वर्ष के डिग्री पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा या ग्रामीण उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् की ग्रामीण सेवाओं में तीन वर्ष के डिप्लोमा पाठ्यक्रम की प्रथम परीक्षा पास की हो या मद्रास विश्वविद्यालय (सान्ध्य कालेज) के स्नातक कला विज्ञान के चार वर्षीय पाठ्यक्रम के चौथे वर्ष में प्रोन्नति के लिए तीसरे वर्ष की परीक्षा पास की हो जिसमें गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय रहा हो, लेकिन शर्त यह है कि डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर/माध्यमिक परीक्षा या पूर्ण विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

जिन उम्मीदवारों ने तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रथम द्वितीय वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में एक विषय के साथ पास की हो वे आवेदन पत्र भेज सकते हैं लेकिन शर्त यह है कि प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा किसी विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो; या

- (घ) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय की पूर्व इंजीनियरी परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो; या

- (ङ) किसी भारतीय विश्वविद्यालय या मान्यता प्राप्त बोर्ड की पूर्व व्यावसायिक/पूर्व तकनीकी परीक्षा जो उच्चतर माध्यमिक या पूर्व विश्वविद्यालय स्तर के एक वर्ष के बाद ली गई हो प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो और परीक्षा के विषयों में गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक परीक्षा का विषय रहा हो; या

- (च) किसी विश्वविद्यालय के पांच वर्षीय इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा पास की हो, लेकिन शर्त यह है कि डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पूर्ण विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

जिन उम्मीदवारों ने पांचवर्षीय इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की है वह आवदन-पत्र भेज सकते हैं लेकिन शर्त यह है कि प्रथम वर्ष की परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो, या

(छ) कोरल और कालीकट के विश्वविद्यालयों से गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर पूर्व-स्नातक परीक्षा, प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

टिप्पणी (1)—जिन उम्मीदवारों की विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा इटरमीडिएट या उपर्युक्त किसी अन्य परीक्षा में कोई विशिष्ट श्रेणी न दी गई हो उन्हें भी शर्धाणक दृष्टि से पात्र समझा जाएगा लेकिन शर्त यह है कि उनके प्रस्तावों का कुल योग संबंधित विश्वविद्यालयों/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी के अंकों की सीमा में हो।

टिप्पणी (2)—कोई ऐसा उम्मीदवार जो कि ऐसी परीक्षा में बैठ चुका है जिसमें पास करने से वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र बनता है लेकिन जिसके परीक्षा-फल की सूचना उस नहीं मिली है इस परीक्षा में प्रवेश के लिए आवदन-पत्र भेज सकता है। यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता है तो वह भी आवदन-पत्र दे सकता है। ऐसे उम्मीदवार को यदि वह अन्यथा पात्र हो, तो परीक्षा में प्रवेश मिल जाएगा लेकिन उसके प्रवेश को अनंतिम समझा जाएगा और यदि वह उस परीक्षा को पास करने का प्रमाण यथासंभव शीघ्र और किसी भी हालत में 30 अगस्त, 1993 तक पेश नहीं करता तो उसके प्रवेश को रद्द कर दिया जाएगा।

टिप्पणी (3)—आपवादिक मामलों में, आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को शर्धाणक दृष्टि से अर्हक मान सकता है जिसके पास इस नियम में निर्धारित अर्हताओं में से कोई भी अर्हता न हो लेकिन ऐसी अर्हताएं हों, जिसके स्तर के बारे में आयोग का यह मत हो कि उनके आधार पर उसे परीक्षा में प्रवेश देना उचित है।

टिप्पणी (4)—जिन उम्मीदवारों के पास राज्य तकनीकी-शिक्षा बोर्ड द्वारा दिए गए इंजीनियरी डिप्लोमा है वे स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं हैं।

7. उम्मीदवार के लिए आवश्यक होगा कि वह आयोग के नोटिस के पैरा 5 में विनिर्दिष्ट फीस दे।

8. जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थाई या अस्थायी हॉसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हॉसियत से काम कर रहे हैं अथवा जो लोक उद्यमों के अधीन सेवारत हैं, उन्हें यह परिचयन (अंडर-टैकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवदन करने/परीक्षा में

बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवदन-पत्र अस्वीकृत/उनका उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीक्षा में प्रवेश के लिए कोई उम्मीदवार पात्र है या नहीं, इस सम्बन्ध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. जब तक किसी उम्मीदवार के पास आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र नहीं होगा तब तक उसे परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा।

11. जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निर्धारित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है :—

- (1) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (3) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (4) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (5) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना; या
- (6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाने हो; या
- (8) उत्तर पुस्तिका (ओं) पर असंगत बातें लिखी हों जो अवैध भाषा या अभद्र आशय की हों, या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्यवहार किया हो; या
- (10) परीक्षा चलाते हुए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को प्रेरणा दिया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचाई हो; या
- (11) परीक्षा की अनुमति दते हुए उम्मीदवारों को भेजे गए प्रमाण-पत्रों के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया हो; अथवा
- (12) उपर्युक्त वाक्यांश में निर्धारित सभी या कोई भी कृत्य करने का प्रयास करने या उसे अवप्रेरित करने जैसा भी मामला हो, का दोषी हो या आयोग द्वारा बांधी घोषित किया गया हो तो उसके विरुद्ध आपराधिक अभियोग चलाए जाने के अतिरिक्त निम्नलिखित कार्यवाही भी की जा सकती है :—

(क) आयोग द्वारा उसे उस परीक्षा के लिए जिसका वह उम्मीदवार है; अर्हक घोषित किया जा सकता है; और या

(ख) उसे स्थाई रूप से या विनिर्दिष्ट अवधि के लिए निम्नलिखित से विवर्जित किया जा सकता है :—

- (1) आयोग द्वारा स्व-आयोजित परीक्षा या चयन से,

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी नौकरों से और

(ग) यदि वह पहले से ही सरकारी नौकरी में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उसके विरुद्ध अनुशासन की कार्यवाही की जा सकती है। किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शक्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

(1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहें, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अंक अर्जित कर लेते हैं, जितने आयोग स्वविवेक से निर्धारित करें, उन्हें आयोग व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु यदि आयोग की राय में अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को उसके लिए आरक्षित रिक्तियों के भरणे के उद्देश्य से सामान्य स्तर के आधार पर परीक्षा संख्या में साक्षात्कार के लिए बुलाना संभव न हो तो आयोग द्वारा उन्हें निर्धारित स्तर में छूट दी जा सकती है।

13. (1) साक्षात्कार के बाद आयोग प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में अंतिम रूप में प्राप्त उसके कल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम में उम्मीदवारों की सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जिन्हें आयोग योग्य समझेगा उनकी उन अनारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए अनुशंसा करेगा जिन्हें इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरा जाता है।

(2) किसी भी अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक स्तर में छूट देकर आयोग द्वारा उनकी अनुशंसा की जा सकती है बशर्त कि ये उम्मीदवार सेवा में चयन के लिए उपयुक्त हों।

बशर्त कि अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के जिस उम्मीदवार की इस उप नियम में उल्लिखित छूट दिए बिना आयोग द्वारा अनुशंसा की गई हो उन्हें अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों पर समायोजित नहीं किया जाएगा।

14. प्रत्येक उम्मीदवार का परीक्षाफल जिस रूप में और किस ढंग से भेजा जाए, इस बात का निर्णय आयोग स्वविवेक से करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में आयोग उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

15. परीक्षा में सफल होने से तब तक नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता जब तक सरकार आवश्यक जांच पड़ताल के बाद इस बात से संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार उसके चरित्र और पूर्व वृत्त को ध्यान में रखते हुए सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए सर्वथा उपयुक्त हो।

16. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें ऐसा कोई शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो सम्बन्धित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि विहित डाक्टर की परीक्षा जो सरकार या नियुक्ति अधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, यथास्थिति के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञान हुआ है कि इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी।

परीक्षा के लिखित भाग के आधार पर जो उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उसकी डाक्टर की जांच साक्षात्कार की तारीख के तुरन्त बाद आने वाले कार्य दिवस को की जाएगी (शनिवार, रविवार और छुट्टियों वाले दिन डाक्टर की जांच नहीं होगी)। इस प्रयोजन के लिए सभी सफल उम्मीदवारों को प्रातः 9.00 बजे अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी, केन्द्रीय अस्पताल, उत्तरी रेलवे बसन्त लेन, नई दिल्ली पर उपस्थित होना पड़ेगा। यदि उम्मीदवार चरम लगे हों तो उन्हें हाल ही के चरम के नम्बर के साथ मेडिकल बोर्ड के सामने उपस्थित होना चाहिए।

डाक्टर की जांच की तारीख या स्थान परिवर्तन का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को यह नोट कर लेना चाहिए कि किसी भी हाल में डाक्टर की जांच से छूट के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा :—

उम्मीदवार यह भी नोट कर ले कि :—

(1) उनको रु. 16/- (सोलह रुपये) की नकद राशि मेडिकल बोर्ड को भुगतान करनी होगी;

(2) डाक्टर की जांच के संबंध में की गई यात्राओं के लिए उम्मीदवार को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा; और

(3) उम्मीदवार की डाक्टर की जांच हो जाने का अर्थ यह नहीं होगा कि नियुक्ति के लिए उसके मामले पर विचार किया ही जाएगा।

उम्मीदवार यह नोट कर ले कि उसके रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा डाक्टर की जांच से संबंधित अलग से कोई सूचना नहीं भेजी जाएगी।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को किसी प्रकार की निराशा न हो उनके लिए उन्हें सलाह दी जाती है कि परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सज्जन स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से परीक्षा करा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों को किसी प्रकार की डाक्टर की परीक्षा होगी और इसमें उनसे किस स्तर की अपेक्षा की जाएगी, इसका ब्योरा इन नियमों के परिशिष्ट 2 में दिया गया है। अपाहिज, भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियों के सम्बन्ध में प्रत्येक सेवा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन मानकों से छूट दी जाएगी।

17. कोई भी व्यक्ति :

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की सविदा की है, जिसकी एक पत्नी जिसका पति जीवित है, अथवा

(ख) जिसने एक पत्नी/पति के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की संविदा की हो।

सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केंद्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाली स्वीकार्य विधि के अंतर्गत इस प्रकार का विवाह अनुमोदित है और ऐसा करने के अन्य कारण हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन में छूट दे सकती है।

18. इस परीक्षा के माध्यम से चयन किए गए विशेष श्रेणी अप्रेंटिसों के लिए अप्रेंटिसों की शर्त परिशिष्ट-3 में दी गई है। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा से संबंधित संक्षिप्त विवरण भी परिशिष्ट-4 में दिए गए हैं।

मसिहज्जामन, सचिव  
रेलवे बोर्ड

### परिशिष्ट-1

#### (दोखिए नियम 3)

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग—1 नीचे दर्शाए गए विषयों में अधिकतम 700 अंकों की लिखित परीक्षा।

भाग—2 व्यक्तित्व परीक्षण जिसमें अधिकतम अंक 200 होंगे (दोखिए नियम 12)

2. भाग 1 के अंतर्गत लिखित परीक्षा के विषय प्रत्येक विषय प्रश्न पत्र के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे :—

क्र. सं.	विषय	कोड सं. समय	निर्धारित समय	अधिकतम अंक
1.	अंग्रेजी	01	2 घण्टे	100
2.	सामान्य विज्ञान	02	2 घण्टे	100
3.	भौतिकी	03	2 घण्टे	100
4.	रासायन विज्ञान	04	2 घण्टे	100
5.	गणित-I (बीज गणित), प्रारम्भिक विस्तार कलन, त्रिकोणमिति और विश्लेषणात्मक ज्यामिति	05	2 घण्टे	100
6.	गणित-II (कलन अन्तर तथा समाकलन और यांत्रिकी स्थिति की तथा भौतिकी	06	2 घण्टे	100
7.	मनोवैज्ञानिक परीक्षण	07	1 घण्टे	100
योग				700

3. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल “वस्तुपरक प्रश्न” होंगे, नमूने के प्रश्नों सहित विवरण के लिए आयोग के नोटिस (अनुबंध-2) के साथ लगी उम्मीदवार “सूचना पुस्तिका” देखें। प्रश्न पत्र केवल अंग्रेजी में ही होंगे।

4. प्रश्न-पत्र में जहां आवश्यक हो केवल माप व तोल की मीट्रिक प्रणाली से संबंध प्रश्न दिए जाएंगे।

5. प्रश्न-पत्र लगभग इण्टरमीडिएट स्तर के होंगे।

6. उम्मीदवार उत्तरों को अपने ही हाथ से लिखें। उन्हें किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए किसी व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

7. परीक्षा का पाठ्यक्रम संलग्न अनुसूची में दिया गया है।

8. आयोग परीक्षा के किसी एक विषय या सभी विषयों के लिए अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

9. उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे इन्हें परीक्षा भवन में न लाएं।

#### अनुसूची

अंग्रेजी (कोड सं. 01) प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे उम्मीदवार की समझ और भाषा पर अधिकार का पता लग सके।

#### सामान्य ज्ञान (कोड सं. 02)

इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य उम्मीदवार को अपने चारों ओर के वातावरण और सामाजिक व्यवस्थाओं की सामान्य जानकारी का परीक्षण करना है। प्रश्न के उत्तरों का स्तर उस स्तर का होगा जैसा कि 12वीं कक्षा या समकक्ष स्तर के विद्यार्थियों का होता है।

#### व्यक्ति और उसका परिवेश :

जीवन का विकास, पौधे और पशु, वंशागत और परिवेश आनुवंशिकी प्रकाष्ठ क्रमोसोम, जेन्स।

मानव शरीर की जानकारी—घोषाहार संततित भोजन प्रति-स्थायी खाद्य महामारियों और सामान्य रोगों की रोकथाम संचित लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता वातावरणीय प्रदूषण और उसकी रोक-थाम, खाद्य अपशिष्ट रसायनों और उनसे निर्मित जलवायु को सही प्रकार से स्टोर करना तथा परीक्षण। जनसंख्या विस्फोट जनसंख्या नियंत्रण, खाद्य और कच्चे सामान का उत्पादन। पशुओं तथा पौधों का संप्रजनन, कृत्रिम गर्भाधान, खाद और जलरक, फसल रक्षण उपाय, अधिकतम किस्में और हरित क्रांति भारत के मुख्य अनाज और नकदी फसलें।

सौर परिवार और पृथ्वी। ऋतुएं, जलवायु, मौसम। भूमि—इसकी रचना और अपरदन। वन तथा उनके उपयोग प्राकृतिक संकट (चक्रवात, तफान, बाढ़, भूकम्प, ज्वालामुखी उदगार)। पर्वत और नदियां और भारत में सिंचाई के लिए उनका योगदान। भारत में प्राकृतिक साधनों और उद्योगों का वितरण तेल संचित भगत खनिजों की खोज। भारत के वनस्पतिजल और प्राणिजल के विषय संदर्भ के साथ प्राकृतिक साधन।

#### भारत का इतिहास राजनीति और समाज :

वैदिक, महावीर, बुद्ध, मौर्य, गुप्त, आन्ध्र कुशान, गुप्त काल (मौर्य कालीन स्तम्भ, स्तूप कन्दर्गों, मंजी, मथुरा और गन्धर्व विद्यालय मंदिर वास्तुकला अजंठा और एलोरा)।

इस्लाम के आने के साथ नई शक्तियों की उत्पत्ति और व्यापक संबंधों की स्थापना। सामंतवाद में पंजीवाद में स्थानान्तरण। यूरोपीय संबंधों की शुरुआत। भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापना। राष्ट्रीयवाद और स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय संग्राम।



भारत का संविधान और इसकी महत्वपूर्ण विशेषताएँ— लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, समानता के अवसर और सरकार की संसदीय प्रणाली प्रमुख-राजनीतिक विचार धाराएँ— लोकतंत्र, समाजवाद, साम्यवाद और अहिंसा के गांधीवादी विचार। भारतीय राजनीतिक दल, प्रभावशाली गृह, लोकमत और प्रेस चुनाव प्रणाली।

भारत की विदेश नीति और गृह निरपेक्षता—शस्त्र निर्माण होड़ शक्ति संतुलन। विश्व संगठन—राजनीतिक, सामाजिक आर्थिक और सांस्कृतिक पिछले दो वर्षों के दौरान भारत और विदेश में घटित प्रमुख घटनाएँ (खेलकूद और सांस्कृतिक कार्य-कलाप सहित)।

भारतीय सामाजिक व्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ—जाति व्यवस्था से हाल में हुए परिवर्तनों और दृष्टिकोण अल्पसंख्यक सामाजिक संस्थाएँ—विवाह, परिवार, धर्म और संस्कृति संक्रमण।

श्रम विभाजन, सहकारिता, टकराव और प्रतियोगिता सामाजिक नियंत्रण, पुरस्कार और सभा, कला, कानून, रीति-रिवाज, गलत प्रचार, लोकमत, सामाजिक, नियंत्रण की एजेंसियों—परिवार, धर्म, राज्य शैक्षिक संस्थाएँ, सामाजिक परिवर्तन के कारण, आर्थिक, औद्योगिकीय जनसांख्यिकीय सांस्कृतिक क्रांति की संकल्पना।

भारत में सामाजिक विघटन

जातिवाद, साम्प्रदायिकता, जनजीवन में भ्रष्टाचार, ध्रुव प्रशान्ति, भीख मांगना, औषध अपराधवृत्त और अपराध, गरीबी और बेरोजगारी।

सामाजिक योजना और भारतीय साम्प्रदायिक विकास का कल्याण और श्रम, कल्याण, अनुसूचित जातियों और पिछड़े वर्गों का कल्याण।

धन कराधान, मूल्य, जनसांख्यिकीय, दृष्टिकोण, राष्ट्रीय आय, आर्थिक विकास, निजी और लोक क्षेत्र, योजना में आर्थिक और गैर आर्थिक कारण संतुलित बनाम असंतुलित विकास, कृषि बनाम औद्योगिक विकास स्फीती और साधन जुटाने के संबंध में मूल्य स्थिरीकरण समस्याएँ भारत की पंच-वर्षीय योजनाएँ।

भौतिकी (कोड सं. 03)

बर्नियर, स्क्रूगेज, स्पीरोमीटर और आप्टीकल लीवर का प्रयोग करते हुए लंबाई की माप।

समय और द्रव्यमान का माप :

सरल रेखिक गति और विस्थापन, वेग और त्वरण के बीच संबंध।

न्यूटन के गति के नियम, संवेग, आवेग, कार्य, ऊर्जा और शक्ति।

कर्षण गुणांक :

बल क्रिया के अंतर्गत पिंडों का संतुलन। बल का आधुनिक ध्रुवपत न्यूटन का गुरुत्वाकर्षण सिद्धान्त। पलायन वेग। परस्पर के कारण त्वरण। द्रव्यमान तथा भार। गुरुत्व केन्द्र। एक समान कक्षीय गति अभिकेन्द्र बल। सरल आवर्त गति। सरल

ध्रुव में दबाव और इसकी विभिन्न गहराई। पास्कल का नियम। आर्कीमिडीज का सिद्धान्त, तैरने वाले पिण्ड, परिवेशी दबाव और इसकी माप।

तापमान और इसकी माप। तपीय प्रसार। गैस नियम और परम ताप। विशिष्ट उष्मा। गुप्त उष्मा और उसकी माप। गैसों की विशिष्ट उष्मा। उष्मा का यांत्रिक समकक्ष आंतरिक ऊर्जा और उष्मागति का पहला नियम। समप्राप्ति और रुद्धव्योष्म परिवर्तन।

उष्मा संचरण; तापीय चालकता :

तरंग गति अनदैर्घ्य और अनुप्रस्थ तरंगें। प्रगामी और अप्रगामी तरंगें। गैस में ध्वनी का वेग और विविध कारणों पर निर्भरता। अनूनाद परिघटना (वायु स्तम्भ और रज्जु)।

प्रकाश का परिवर्तन और आवर्तन। वक्र दर्पणों और लेंसों द्वारा बिंब रचना। सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी (दृष्टि दोष)।

प्रिज्म—विचयन और प्रकीर्णन। न्यूनतम विचलन द्व्य स्पेक्ट्रम।

छड़ चुम्बक का क्षेत्र। चुम्बकीय आधुन। भू चुम्बकीय क्षेत्र के तत्व चुम्बकत्वमापी। डाय, पैरा और फेरी चुम्बकत्व।

विद्युत चार्ज, विद्युत क्षेत्र और विभव। कॉलेम्ब नियम।

विद्युत धारा—विद्युत सेल, ई.एम.ई., प्रतिरोध एमीटर और वोल्टमीटर। ओहम का नियम। श्रेणी और समान्तर में प्रतिरोध, विशिष्ट प्रतिरोध और चालकता धारा का तापन प्रभाव।

कॉप्टस्टोन बिज, विभवमापी :

धारा का चुम्बकीय प्रभाव : सीधे तार कंडली और सोलि-नोइड : विद्युत चुम्बक, विद्युत घंटी।

चुम्बकीय क्षेत्र में चालक वाली धारा पर बल; चल कंडली धारामापी, एमीटर या वोल्टमीटर, परिवर्तन।

धारा के रासायनिक प्रभाव : प्राथमिक और स्टोरेज सेल में उनकी क्रियाविधि विद्युत अपघटन के नियम।

विद्युतचुम्बकीय प्रेरणा सरल ए. सी. तथा डी. सी. जनित्र। ट्रांसफार्मर। अपघटन कंडली।

कैथोड किरणें, एलैक्ट्रान की खोज, परमाणु का बोहर मॉडल नायोड और परिक्षोधक के रूप में इसके उपयोग।

एक्स किरणों का उत्पादन, गुण और उपयोग।

रेडियोधर्मिता—एल्फा, बीटा और गामा किरणें।

नाभकीय ऊर्जा, विखंडन और संलयन, : द्रव्यमान का ऊर्जा में परिवर्तन श्रृंखला अभिक्रिया।

रसायन विज्ञान (कोड सं. 04)

भौतिक रसायन विज्ञान :

1. परमाणु संरचना, संक्षेप में पूर्ण मॉडल। क्रियाम मॉडल के रूप में परमाणु। कक्षाएँ परिसंकल्पना। क्वांटम संख्या और उनकी विशेषता। केवल आरम्भिक। अभिक्रिया। पाली का अपवर्जन सिद्धान्त। इलेक्ट्रॉनिक विन्यास। अफन सिद्धान्त एम. सी. डी. और एफ. ब्लाक तत्व।

**आवर्ती वर्गीकरण :—**केवल बीर्घ रूप । आवर्त और इलेक्ट्रॉनिक विन्यास परमाणु अनुपात । आवर्तक और ग्रुपों में विद्युत नकारात्मकता ।

2. रासायनिक आबंटन, इलेक्ट्रॉलेट, कोबलेट कॉर्डिनेट, की ब्लैट बंधन । जा. तथा एक्स । बंधनों के बंधन गुण, जल, हाइड्रोजन सल्फाइड, मीथेन और अमोनियम क्लोराइड जैसे सरल अणुओं के आकार । मोलेक्यूलर संबंध और हाइड्रोजन आबंधन ।

3. रासायनिक अभिक्रिया, ऊर्जा परिवर्तन, उष्मा उन्मीची और उष्माशोषी अभिक्रिया । उष्मागतिकी के प्रथम नियम का प्रयोग । स्थिर उष्मा संकलन की हंस का नियम ।

4. रासायनिक संकलन और अभिक्रिया की दर । द्रव्यमान व क्रिया का नियम । दबाव के प्रभाव । तापमान और अभिक्रिया दर पर केन्द्रीयकरण (वा चेटीलियर के सिद्धांत पर आधारित गणनात्मक अभिक्रिया) आणविकता प्रथम तथा द्वितीय क्रम अभिक्रियाएं । संक्रियमण की ऊर्जा परिकल्पना । अमोनिया और सल्फर ट्राइआक्साइड के निर्माण के लिए प्रयोग ।

5. विलयन, रासायनिक विलयन, कोलेडल विलयन और स्थगन । दन विलयनों के असंख्य गणनात्मक और विनाश एकाधों के अणु भार निश्चित करना । क्वालीटिव्हों का उत्पन्न हिमांक अवसादन । अस्मैट दान । गलन का निगम (केवल अनुष्मागतिकी अभिक्रिया) ।

6. विद्युत रसायन विज्ञान :—विद्युत अपघटन । विद्युत अपघटन का फौरन नियम । वाष्पी संयोजन । घननशीलता उत्पाद । प्रवर्त तथा क्षीण अपघटन । अम्ल तथा बेस (नोबल तथा वनिस्टाड की परिकल्पना) पी. एच. तथा उभय प्रतिरोधी विलयन ।

7. आक्सीजन अपचयन :—अधुनिकी इलेक्ट्रॉनिक परिकल्पना और आक्सीजन अंक ।

8. प्राकृतिक और कृत्रिम विघटनशक्ति :—नाभिकीय विखंडन और संलयन । विघटन नाभिक गणनात्मकों के उपयोग अकार्बनिक रसायन विज्ञान ।

**अजैव रसायन विज्ञान :—**

तत्वों का संक्षिप्त अभिक्रिया और उनके औद्योगिकीय महत्वपूर्ण मिश्रण ।

1. हाइड्रोजन : अवत तालिका में स्थित हाइड्रोजन का सामान्यतः—गणनात्मक तथा घनात्मक विशालि । जल, कठोर तथा मृदु जल, उद्योगों में जल का उपयोग । भारी मानी और इसके उपयोग ।

2. ग्रुप 1 तत्व । सोडियम हाइड्रोक्साइड का निर्माण सोडियम कार्बोनेट । सोडियम हाइड्रोकार्बोनेट और सोडियम क्लोराइड ।

3. ग्रुप 2 तत्व । आश तथा वष्म हुआ चना । जिप्सम । प्लास्टर ऑफ पेरिस । मैग्नीशियम सल्फेट और मैग्नीशियम ।

4. ग्रुप 3 तत्व । एलुमिनियम तत्व और एलुम ।

5. ग्रुप 4 तत्व । कोबाल्ट, लकड़ी तथा ग्रेस ईंधन । सिलिकेट, जोलिटिस तथा अर्द्ध मृदात्मक । जीवा (प्रारम्भिक अभिक्रिया) ।

6. ग्रुप 5 तत्व । अमोनिया और नाइट्रिक अम्ल का निर्माण । हाँव फास्फेट और रिनापन विद्यमान ।

7. ग्रुप 6 तत्व । हाइड्रोजन और आक्साइड, गंधक सल्फ्यूरमिश्र धातु : निकल, मैंगनीज, इस्पात ।

8. ग्रुप 7 तत्व । फ्लूरीन, क्लोरीन, ब्रोमीन और आयोडीन का निर्माण तथा उपयोग । हाइड्रोजन एल्लिड । क्लोरीन पाउडर ।

9. ग्रुप (उत्कृष्ट गैस हीलियम और इसके उपयोग)

10. धातुकर्मीय संसाधन—तांबा, लोहा, एल्युमिनियम, चांदी, सोना, जस्त तथा सीसे के विविध संदर्भ के साथ धातुओं के निकालने की सामान्य पद्धतियाँ । इन धातुओं की सर्वोत्तम मिश्र धातु : निकल मैंगनीज इस्पात ।

**कार्बनिक रसायन विज्ञान**

1. कार्बन का टेट्राहेड्रल स्वरूप । संस्करण जी. एन. बंधन तथा उसकी सापेक्ष शक्ति । जल तथा बहुबंधन अणु का आकार । ज्योमितीय तथा प्रकाशीय समायोजन ।

2. एल्केन; एल्कीन और एल्कलीन के तैयार करने के गुण धर्म और अभिक्रियाओं की सामान्य पद्धतियाँ । एंटीमिलियम और इसका परिष्करण, ईंधन के रूप में इसके उपयोग ।

**एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन :—**

अनुवाद और एरोमैटिकता । बैन्जीन तथा नोपथालीन और उसके साहज्य एरोमैटिक प्रतिस्थापन अभिक्रियाएं ।

3. हेलोजीन व्युत्पत्तियाँ; क्लोरोफॉर्म, कार्बन टेट्राक्लोराइड, क्लोरोबेनजीन—डी. डी. टी. और मनवसीन ।

4. हाइड्रोकार्बी मिश्रण—प्राथमिक और द्वितीय और तृतीयक एल्कोहल, मिथनोल, एथनोल, ग्लायरोल और फिनाल के तैयार करने, गुणधर्म उपयोग । एलिफैटिक कार्बन अणु पर प्रतिस्थापन अभिक्रियाएं ।

5. प्रथर—डाइथाइल ईथर ।

6. एल्डीहाइड्स और केन्टास । फार्मलडीहाइड । एमीटेलाइज पेन्डेलाहाइड, एसोटीन एसगाटाफोनील ।

7. नाइट्रो योगिक एमीन, नाइट्रोबेन्जीन, टी. एन. टी. । एनीलाम डाइजीनियम योगिक । एजोडाइज ।

8. कार्बोक्सीलिक अम्ल : फोर्मिक, एसीटिक, बेंजोइक और सिलिसिलिक अम्ल, एसोटाइल सिलिसिलिक अम्ल ।

9. एस्टर एथालरोसीटड. मिथाइल. सेगीमिलेटस, इथाइल बंजार ।

10. पालीमर्स : पोलिथीन टक्कलन, परपैक्स, कृत्रिम रबड़, नायलान और पोलिस्टलन ।

11. कार्बोहाइड्रेट्स, वसा और लिपीड्स, एमीनो अम्ल और प्रोटीन विटामिन और हार्मोन्स की असंख्य महत्वपूर्ण अभिक्रिया ।

**गणित-1 (कोड सं. 05)**

**बीज गणित**

अंक प्रणाली—वास्तविक अंक । पूर्णांक । परिमेय और अपरिमेय तथा उसके प्रारम्भिक गुणधर्म ।

प्रारम्भिक अंक सिद्धांत—विभाजा, लैंगोरिथम विधि ।

अभाज्य और संयुक्त संस्थाएं, गणित तथा गुणनखंड-गुणनखंड प्रमेय । महत्तम समापवर्तक और लघुत्तम समापवर्तक यक्नीडीन एल्मोथिस

**अधुन-गुणक और उसका प्रयोग ।**

आधारों सक्रिया : सरल गुणनखंड । बहु-पदों का महत्तम समापवर्तक, लघुत्तम समावर्त्य । विभाती समीकरणों का हल, इसके हल और गुणकों में संबंध ।

**भाजिक एल्गोरिथम ।**

सूचकों के नियम ए. पी. और जी. टी. ज्यामितीय श्रृंखणों और उसका आवर्ती दशमलव भिन्न में प्रयोग ।

क्रमचय और सन्तोन्न । घनात्मक पूर्णांक सूचक के लिए द्विपद परिमय । सन्निकटन के लिए परिमय सूचकों के लिए द्विपद प्रमय का प्रयोग ।

युग्मत योगिक समीकरण (तीन अज्ञात संख्याओं तक) और उनका हल । एक्स<sup>1</sup>, एक्स<sup>2</sup> और एक्स<sup>3</sup> पर वाई के दिए हुए मूल्यों के लिए द्विघाती वक्र वाई=ए. +बी. एक्स + सी । एक्स<sup>2</sup> का संयोजन ।

युग्मत रैखिक असमिक (दो अज्ञात संख्याओं) में और उनका ग्राफ 2×2 मैट्रॉसिज और प्रारम्भिक सक्रिया । तत्समक आव्यूह । 3 से अधिक क्रम का आव्यूह निरुचयन का विषय ।

**प्रारम्भिक विस्तार कलन**

समकल आकृति का क्षेत्रफल : धनों पिरामिडों, लम्ब वृत्तीय बेलनों के आयतन और धरातल—शंकु और गालक ।

**त्रिकोणमिति**

कोण और उनकी कोटिया और रॉडियन में माप । त्रिकोण-मिति अनुपात । योग के सूत्र । कोणों के अपवर्त्य और अपवर्तकों के साइन की लाइन और टनजेंट । मान की लाइन और टनजेंट का अवर्तिता और ग्राफ । सरल ऊँचाई और दूरी के सरल अंकन ।

त्रिकोणमितीय समीकरणों का हल ।

ऊँचाई और दूरी के सरल प्रश्न ।

**विश्लेषक ज्यामितीय**

समतल में रेखा का समीकरण । प्रथम कोटि का सामान्य समीकरण । दो रेखाओं के बीच कोण । समान्तर और लंबीय रेखाएँ ।

दो सीधी रेखाओं का कोटिशियन समीकरण ।

वृत्त का समीकरण । सामान्य समीकरण । वृत्त के स्पर्श और सामान्य समीकरण । दो वृत्तों के मूलाक्ष । वृत्तकुल ।

परवलय दीर्घवृत्त और अतिपरवलय का नक भी रण । वक्र पर किसी बिंदु पर स्पर्शी और सामान्य समीकरण ।

परिणत-2 (कोड सं. 06)

**कलन (अवकलन और पूर्णांक)**

उदाहरणों द्वारा वास्तविक फलन और उसके ग्राफ । संयुक्त और व्युत्क्रम फलन वास्तविक फलनों का बीजगणित परिमय और त्रिकोणमित्य फलनों के उदाहरण और फल-फलन ।

सीधा धारण और फलन और योगस्तर का सांतन्य फलनों की उत्पत्ति और भागफल ।

किसी बिंदु पर फलन का व्युत्पन्न । परिवर्तन का तत्क्षणिक हउ के रूप में व्युत्पन्न और चक्र का ढाल ।

फलनों के योग, अंतर गुणनफल और भागफल की व्युत्पत्तियाँ, संयुक्त फलनों और 1-1 फलनों के व्युत्क्रम का व्युत्पत्तियाँ । बहु पद फलनों, परिमर फलनों, अपवर्तक फलनों, त्रिकोणमितीय फलनों और व्युत्क्रम त्रिकोणमितीय फलनों की व्युत्पत्तियाँ ।

**फलनों का आद्य द्वीपुर् अनिश्चित पूर्णांक**

सरल मामलों में आद्य की परिगणन (सरल) प्रतिस्थापन द्वारा और अंशतः समेकन :

श्रृंखला (सिद्धि पद्धतियों की अनुमति होगी) ।

स्थितिकी । बल का निरूपण बल समान्तर वतुर्भुज । बल का उदाहरण और विभजन और समांश और विपरीत बल । आघूर्ण बल युग्म । संतुलन के प्रांतबधुसगामी (बल और समतलीय बल 4 के अधिक नहीं) ।

**बल त्रिभुज ।**

सरल पिंडों का गुरुत्व केन्द्र ।

कार्य और शक्ति । सरल यंत्र (लॉवर, घिरनी तत्त्व गियर) ।

गति की : कण का विस्थापन गति वेग और त्वरण । सतत त्वरण के अंतर्गत, सीधी रेखा में गति । प्रक्षेपी से संबंध सरल प्रश्न । एक रस्सी से बंधे दो द्रव्यमानों की गति । ऊर्जा विनियम ।

मनोवैज्ञानिक परीक्षण (कोड सं. 07)

प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनमें उम्मीदवारों को बुनियादी जानकारी और यांत्रिक अभिराचि का मूल्यांकन हो सक ।

**व्यक्तिगत परीक्षण**

प्रत्येक उम्मीदवार का एक एस-स वार्ड द्वारा साक्षात्कार किया जाएगा जिसके सामने उम्मीदवार के शैक्षिक तथा बाहरी दोनों प्रकार के जीवन वृत्त का अभिलेख होगा । उनमें सामान्य हित के मामलों में संबंध प्रश्न पूछे जाएंगे । उनके नेतृत्व में पहल-शक्ति और बोद्धक उत्सुकता व्यवहार कुशलता और अन्य सामाजिक गुणों, मानसिक और शारीरिक शक्ति, व्यवहारिक प्रयोग की शक्ति और चरित्र की सत्यनिष्ठा के गुणों का मूल्यांकन करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा ।

**परिशिष्ट-2**

यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में नियुक्ति हेतु उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के लिए विनियम ।

वे विनियम उम्मीदवारों की सुविधा और उनके अपेक्षित शारीरिक स्तर की संभाव्यता को सुनिश्चित करने के लिए प्रकाशित किए जाते हैं । विनियमों का उद्देश्य स्वास्थ्य परीक्षाओं और उन उम्मीदवारों का मार्गदर्शन भी करना है जो विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करते और जिन्हें स्वास्थ्य परीक्षाओं द्वारा योग्य घोषित नहीं किया जा सकता है । किन्तु यदि कोई उम्मीदवार इन विनियमों में दिए गए नियमों के अनुसार योग्य नहीं है तो भी चिकित्सा बोर्ड का भारत सरकार को उसकी अनुमति करने का अधिकार होगा जिसके लिए बोर्ड इस आदेश के लिखित कारणों का उल्लेख करेगा कि सम्यक् उम्मीदवार सरकार को हानि के बिना सेवा में भर्ती किया जा सकता है ।

वह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार के चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को अस्वीकृत या स्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के साथ बक्षतापूर्ण काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. (क) भारतीय (एंग्लो इण्डियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, ऊंचाई और छाती के घेरे के परस्पर संबंध के लिए मेडिकल बोर्ड को ऊपर यह छाड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपर्युक्त समझे, व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उनकी छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही कोई बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

(ख) किन्तु कद और छाती के घेरे के लिए कम से कम मानक निम्नलिखित है। जिसके बिना पूरा उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :—

कद	छाती का घेरा		
	(दूरी फीट/से.)		
	से० मी०	से० मी०	से० मी०
पुरुष उम्मीदवारों के लिए	152	34	5
महिला उम्मीदवारों के लिए	150	79	5

अनुसूचित जनजातियों तथा गोरखाओं, गढ़वालियों, असमियों, नागालैण्ड के आदिवासियों आदि जैसा जाति या जिनका ओरत कद स्पष्टतः ही कम होता है के उम्मीदवारों के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद में छूट दी जा सकती है।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा :—

वह अपने पूरे उतार देगा और उसे मापदण्ड (स्टैण्डर्ड) इस प्रकार सटाकर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाय एडिडों के पांवों के अंगूठों या किसी हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़ें सीधा खड़ा होगा और उसकी एडिडें, पिण्डलियां, नितम्ब और कंधे मापदण्ड के साथ सरे होय। उसकी ठांडी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटवैस आफ दी हैड लेवल) हारिजेंटल धार वाली (छड़) के साथ जाए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवारों की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उस इस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएँ सिर के ऊपर खड़ी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि उसका उपरी किनारा असफल (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणी (इन्फीरियर एंगुलस) के पीछे रहे और यह फीते की छाती के गिर्द के जाने पर (आइड) सततल (होरिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न

किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरी सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89, 80-83 आदि। माप, रिकार्ड करते समय आधा सेंटीमीटर से कम भिन्न प्रेक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान—अंतिम निर्णय से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापे जाने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन किया जाएगा और यह किलोग्राम में होगा। आधा किलोग्राम या उसका अंश नाट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर को जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(1) सामान्य (जनरल)—किसी रोग या असामान्यता (एबनॉर्मैलिटी) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कॉन्जुगैस स्ट्रक्चर) का कोई रोग हो जा उस अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बन सकता हो तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्यूटी) :—दृष्टि की तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर का नजर के लिए और दूसरी नजदीकी की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

चश्मे के बिना आंख को नजर (नैकेड आइड विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक माप में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा, क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

उम्मीदवार की उपकरण से परीक्षा की जाएगी और उसकी दृष्टि सुतीक्ष्णता रेलवे बोर्ड की चिकित्सा अधिकारियों की स्थायी सलाहकार समिति द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार की जाएगी।

विशेष ध्यान—नीचे निर्धारित स्तर को जो उम्मीदवार पूरा नहीं करे वह नियुक्ति हेतु स्वीकार नहीं किया जाएगा।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दृष्टि सुतीक्ष्णता का मानक निम्नलिखित होगा :—

	दूर का दृष्टि		निकट का दृष्टि	
	अच्छी आंख	बुरा आंख	अच्छी आंख	बुरा आंख
35 वर्ष से कम आयु वाले उम्मीदवारों के लिए	6/6 अथवा 6/12 अथवा		6/9 अथवा 6/9	जे०-1 जे०-11

टिप्पणी (1)

(क) मायोपिया (सिलेंडर सहित) कुल 4.00 डी. से अधिक नहीं होना चाहिए।

(ख) हायपरमेट्रोपिया (सिलेंडर सहित) कुल 4.00 डी. से अधिक नहीं होना चाहिए।

(ग) एक जाँख वाला व्यक्ति—एक जाँख वाला व्यक्ति नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

टिप्पणी (2)

कलर विजन—कलर विजन की जांच जरूरी है और समस्त उम्मीदवारों के सम्बन्ध में परीणाम सामान्य होना चाहिए। लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग संकेतों के प्रभाव से और हिच-काहट के बिना पहचान कर लेना संश्लेषणक कलर विजन है। कलर विजन जांच के लिए शिष्टाचारों की प्लेटों और एंड्रिग्रीन जैसी दोनों मटेरिअल का प्रयोग होगा।

नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रुप में होना चाहिए जो लैटन में एपचर के आकार पर निर्भर होगा :

श्रेष्ठ	रंग के प्रत्यक्ष क्षार का उच्चतर श्रेष्ठ	रंग के प्रत्यक्ष क्षार का निम्नतर श्रेष्ठ
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16 फीट	16 फीट
2. द्वारक (एपचर) का आकार	1.3 मी० मीटर	1.3 मी० मीटर
3. उदभासन काल	5 सेकण्ड	5 सेकण्ड

स्पेशल क्लास को अप्रेंटिसज के लिए रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड आवश्यक है।

टिप्पणी (3)

दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन) — सभी सेवाओं के लिए सम्मूखन विधि (कन्फ्रंटेशन मैथड) द्वारा यूनिट दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब पर्येसी झांड का सीज़ा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र का परिरापी (रैडायॉमैटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी (4)

[illegible]

टिप्पणी (5)

दृष्टि से तीक्ष्णता से भिन्न आंख की दशा (आक्यूलर कंडीशन) :

(क) आंख की अंग संबंधी बिमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन जूटी (इर्रोरेक्टिव एरर), जिसके परिणाम-स्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता में कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझा जाना चाहिए।

टिप्पणी (6)

कान्टैक्ट लैस—चिकित्सा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कान्टैक्ट लैस का प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह आवश्यक है कि आंख का परीक्षण करते समय दूर की दृष्टि के लिए टाइप अक्षरों की प्रदीप्त 15 फुट कन्डिल की प्रदीप्त जैसी हो। विशेष परिस्थिति में किसी उम्मीदवार के सम्बन्ध में किसी भी शर्त को स्थिरीकरण करने की छूट सरकार को है।

### 7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में दोहरे अपने निर्णय से काम लेगा।  
नार्मल मेडसीमम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की कामचलाउ  
विधि निम्न प्रकार है :—

- (1) 15 से 25 वर्षों के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 जमा आयु होता है।
- (2) 25 वर्ष के ऊपर की आयु वाले व्यक्ति में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110 जमा आयु का सामान्य नियम बिल्कुल सतोषजनक दिखाई पड़ता है।

विशेष ध्यान—सामान्य निाम के रूप में 140 एम. एम. के ऊपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम. एम. के ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के संबंध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे । अस्पताल के रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला इसका कारण काँक (आर्गनिक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में हृदय का एकरे और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकास (क्लियरेंस) की जांच की भी नमी तौर पर ली जानी चाहिए । फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा ।

**ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका**

नियमः पार्श्व वाले दाब भागों (मर्करी मानोमीटर) किस्म का उपकरण (इन्स्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए । किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पंद्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं होना चाहिए । रोगी बैठे हो या लेटे हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी आंख शिथिल और आराम से हों । यहाँ थोड़ी बहुत हों रज्जेटिल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर हो तथा उसके कंधे से छाड़ा उतार देना चाहिए । कफ में से पूरी तरह हवा निकालकर बीच में खड़े भुजा के अंदर की ओर रखकर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए । इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लटोना चाहिए ताकि छात्राभरण पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर न निकले ।

कोहनी के मोड़ पर बांह धमनी (बैकजल आर्टरी) को दबा-दबा कर ढूँढा जाता है और तब इसके उपर बीचों-बीच स्टेथोस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में



- (ख) उम्मीदवार बोलने में हलकापन/हलकानी नहीं हो।
- (ग) उसके दांत अच्छी हालात में हों या नहीं और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगें हों या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं।
- (ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।
- (च) उसे रपचूर है या नहीं।
- (छ) उसे हाइड्रोमील, बड़ी हुई वॉरकोसिल, बौरका (शिगवेन) या बवासीर है या नहीं।
- (ज) उसके अंगों हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छी है या नहीं और उसकी ग्रंथियां भली-भांति स्व-संयंत्र रूप से मिलती हैं या नहीं।
- (झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा बीमारी है या नहीं।
- (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।
- (ट) उसमें किसी उम्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं। जिनमें कमजोर गठन का पता लगे।
- (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।
- (ड) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेबल) रोग है या नहीं।

11. दिल और फेफड़ों की ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो उसी मामलों में नेमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।

कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देने चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण ड्यूटी में इसे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

टिप्पणी (क)—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उक्त सेवा के लिए उनकी स्वस्थता निर्धारित करने हेतु नियुक्त चिकित्सा बोर्ड—चाहे बोर्ड विशेष हो या स्थाई हो—के विरुद्ध अपील करने का अधिकार नहीं है, किन्तु फिर भी यदि सरकार पहले बोर्ड के निर्णय में गलती की संभावना के विषय में प्रमाण प्रस्तुत कर दिए जाने पर संतुष्ट हो जाती है तो यह सरकार की इच्छा पर होगा कि वह दूसरे बोर्ड के सामने अपील की इजाजत दे। इस प्रकार का प्रमाण जिस पत्र में उम्मीदवार को पहले चिकित्सा बोर्ड का निर्णय सूचित किया गया है उसकी तारीख से एक मास के अन्दर प्रस्तुत कर दिया जाना चाहिए, अन्यथा दूसरे चिकित्सा बोर्ड की अपील करने के किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा पहले बोर्ड के विनिश्चय में निर्णय सम्बन्धी त्रुटि की संभावना से सम्बद्ध प्रमाण-पत्र के रूप में कोई चिकित्सा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाता है तो उसी प्रमाण-पत्र पर तब तक कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा जब तक हमें सम्बद्ध चिकित्सा व्यवस्था की इस आशय की टिप्पणी प्रकृत न हो कि वह टिप्पणी इस तथ्य की परी तरह जानते हुए प्रकृत की गई है कि उक्त उम्मीदवार चिकित्सा बोर्ड द्वारा देवा देते-लेते हुए प्राप्त होने पर अवलोकन कर दिया गया।

टिप्पणी (ख)—अपीलीय चिकित्सा बोर्ड के पास कोई अन्य अपील स्वीकार्य नहीं होती और अपीलार्थ चिकित्सा बोर्ड का निर्णय फाइनल होता है।

#### मेडिकल बोर्ड और उसकी रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैण्डर्ड में सम्बन्धित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल (यदि हों) के लिए गुंजाइश करनी चाहिए।

2. किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्त प्राधिकारों (अपार्टिमेंट प्रशासनी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे किसी भी बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बिड़नी इन्फर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके व्ययोग होने की संभावना है।

3. यह बात समझ लेना चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी जुड़ा ही सम्बन्ध है। निम्नलिखित में है और मेडिकल परीक्षा का एक मूल्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थाई नियुक्ति के सम्पीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी ध्यान रख लिया जाए कि जहां प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को सम्पीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जबकि कोई ऐसा दोष हो तो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा से निराला पाया गया हो।

4. महिला उम्मीदवार की परीक्षा के निम्नलिखित में से किसी एक को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सम्पीकृत किया जाएगा।

5. डाक्टरों बोर्ड की रिपोर्ट को अपेक्षित सम्पीकृत जात्रा।

6. ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकार से सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो उसके तौर पर उसके अस्वीकार किये जाने के आधार पर नियुक्त प्राधिकारों द्वारा उम्मीदवार को हटाया जा सकता है किन्तु डाक्टरों बोर्ड में जो सराफा बताने वाला निष्कर्ष तैयार करने वाला जा सकता है।

7. ऐसे मामले में जहां डाक्टरों बोर्ड का मत निराला है कि सरकार की सेवा में नियुक्ति योग्य हो सकता है तो उसे अपनी छोटी-छोटी खराबी चिकित्सा (अपेक्षित या अज्ञात) द्वारा ठीक हो सकती है तब तक डाक्टरों बोर्ड का मत ही सरकार का अंतिम निष्कर्ष किया जाएगा। निम्नलिखित प्राधिकारों द्वारा यह मत है उम्मीदवार को सेवा में सम्पीकृत किये जाने में कोई सम्पीकृत नहीं है और यह मत सराफा बताने वाले को अपने से डाक्टरों बोर्ड से माफ़ने पर सम्पीकृत के सम्पीकृत होने के निम्नलिखित में सम्पीकृत प्राधिकारों सम्पीकृत है।

(क) उम्मीदवार का स्थान और क्षेत्र

यानी मेडिकल परीक्षा में कोई उम्मीदवार को निम्नलिखित सम्पीकृत सम्पीकृत में से सम्पीकृत करार दिया जा सकता है कि वह किसी भी सम्पीकृत (अपेक्षित या अज्ञात) द्वारा ठीक हो सकता है तब तक डाक्टरों बोर्ड का मत ही सरकार का अंतिम निष्कर्ष किया जाएगा।

में उल्लिखित बातों की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए :—

1. अपना पूरा नाम लिखें :—

(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बतायें ।

3. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, अरुणचल जैसी जातियों, नगालैण्ड जाति-जाति आदि में से किसी से संबंधित हैं जिनका देश का कद दूसरों से कम होता है "हां" या "नहीं" में उत्तर दीजिए । उत्तर "हां" में हो तो उस जाति का नाम बताएं ।

4. (क) क्या आपको कभी बचक, रुक-रुक कर होने वाला कोई दूसरा रोग, संश्रियों, (ग्लेण्ड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, शक में रक्त आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्च्छा हो आदि रोगों का भोगना हुआ है ?

अथवा

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दर्दनाक, जिसके कारण शरीर पर जले रहना पड़े हो, और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुआ है ?

5. क्या आप या आपका कोई निकट का सम्बन्धी कभी कन्जंक्शन मीरोफला मायट, दमा, लीके अपम्यार या पागलपन का शिकार हुआ है ?

6. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की थकान (नर्वसनेस) हुई है ?

7. अपने परिवार के सम्बन्ध में निम्नलिखित ब्यौरे दें :—

यदि पिता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आप के कितने भाई जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण ।
--	---	---	---

1	2	3	4
यदि पिता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण ।
5	6	7	8

8. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

9. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर "हां" में हो तो बताइए किस सेवा/विद्यन सेवाओं में नियुक्त आपकी परीक्षा की है ?

10. परीक्षा देने वाला प्राधिकारी कौन था ।

11. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ ?

12. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो ।

मैं घोषित करता हूं कि जहां तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी सवालों की ओर ठीक है ।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर . . . . .

मेरे सामने हस्ताक्षर किये . . . . .

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर . . . . .

नोट :—उपर्युक्त कथन की यथार्था के लिये उम्मीदवार जिम्मेदार होगा । जानबूझकर किसी सूचना को छिपाने से यह नियुक्ति खो बैठने का जोखिम लेना और यदि वह नियुक्त हो भी जाये तो वार्धक्य निवृत्ति भत्ता (सुपरएन्युशन अलाउन्स) या उपदान (ग्रेज्युटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा ।

(ख) . . . . . (उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा करने पर मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास : अच्छा . . . . .  
 बीच का . . . . . खराब . . . . .  
 पोषण : पतला . . . . . (औसत) . . . . .  
 मोटा . . . . . कद (जूते उतारकर) . . . . .  
 वजन . . . . . अत्युत्तम वजन . . . . . कब था ?  
 वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन . . . . .  
 तापमान . . . . .  
 छाती का घेरा . . . . .

(1) कोई बीमारी . . . . .

(2) पूरा सांस निकालने पर . . . . .

2. त्वचा—कोई जाहिर बीमारी ।

3. नेत्र :

यदि पता लगा है तो पूरा ब्यौरे दें : . . . . .

(2) रतौधी . . . . .

(3) कलर विजन व दोष . . . . .

(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन) . . . . .

(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटी) . . . . .

(6) फण्डस की जाँच . . . . .

दृष्टि की तीक्ष्णता	चश्मे के बिना	चश्मे से	चश्मे की पावर स्पीसिल एक्सल
दूर की नजर	दा० ने० बा० ने०		
पास की नजर	दा० ने० बा० ने०		
हाईपरमीट्रिया (व्यक्त)	दा० ने० बा० ने०		

4. दायाँ : निरीक्षण . . . . . सुनना . . . . .  
 बायाँ कान . . . . . बायाँ . . . . .

5. संश्रियों . . . . . थाइराइड . . . . .

6. दाँतों की हालत . . . . .



7. श्वसन तंत्र (रेस्पायरेटरी सिस्टम)—क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में किसी अश्वस्थता का पता लगा ?

यदि पता लगा है तो पूरा ज्वारा दें . . .  
पारसचरण तंत्र (मर्क्युरी सिस्टम)

8. हृदय : कोई आंगिक शिक्षण कार्बोनिक् मीचण—  
गति (रेट) खड़े होने पर . . . . .

25 बार . . . . . कुदाए जाने के बाद  
कुदाए जाने के 2 मिनट बाद . . . . .  
ब्लड प्रेशर . . . . . सिस्टोलिक . . . . .  
डायस्टोलिक . . . . .

9. उदर (पेट) घेरा . . . . . स्पर्श सहायता हर्निया  
. . . . .  
. . . . .

(क) दबा कर मालूम पड़ना/जिगर . . . . .  
तिल्ली . . . . . गुदरे . . . . . ट्यूमर  
. . . . .

(ख) स्कतार्श . . . . .  
भगंदर . . . . .

10. तांत्रिक तंत्र (नर्व सिस्टम) तांत्रिका या मानसिक असा-  
मान्यता का संकेत . . . . .  
ताल तंत्र (लोकोमीटर सिस्टम) . . . . .  
कोई अपसामान्यता . . . . .

11. तांत्रिक तंत्र (नर्व सिस्टम) तांत्रिका या मानसिक  
हाइड्रोसील, बैरिकोसील आदि का कोई संकेत :—

12. मूत्र परीक्षा :—

- (क) कैसा दिखाई पड़ता है ?
- (ख) अपेक्षित गुरुत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)
- (ग) एल्ब्यूमिन
- (घ) शक्कर
- (ङ) काप्टस
- (च) कोशिकाएं (सेल्स)

13. छाती की एक्सरे परीक्षा की रिपोर्ट . . .

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की ड्यूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ?

नोट :—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह अथवा उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, दीर्घाव विनियम 9.1.

15. उम्मीदवार परीक्षा पास कर लिए जाने के बाद कितने सेवाओं में कार्य के दक्ष सतत निष्पादन हेतु सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और कितने सेवाओं के लिए अयोग्य पाया गया है .

स्थान . . . . .  
शारीर . . . . .

अध्यक्ष . . . . .  
सदस्य . . . . .

### परीशिष्ट 3

इस परीक्षा के आधार पर चुने गए स्पेशल क्लास अप्रैन्टिस हेतु अप्रैन्टिसशिप की शर्तें

अप्रैन्टिसशिप की शर्तों का उल्लेख इण्डियन रेलवे एस्टे-  
ब्लिशमेंट मैनुअल में निर्धारित करार पत्र में कर दिया जाएगा  
इसका संक्षिप्त निम्न प्रकार है :—

1. स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैन्टिस के रूप में नियुक्ति के लिए प्रस्तावित उम्मीदवार को निर्धारित प्रपत्र में इस आशय का करार करना होगा कि सरकार की संतुष्टि के अनुरूप स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैन्टिस का प्रशिक्षण पूरा करने में असफल रहने पर यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेलवे सेवा में परीवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में प्रस्तावित नियुक्ति को स्वीकार न करने की स्थिति में जो धन उसे दिया गया है या सरकार द्वारा जो धन उस पर खर्च किया गया है, उसको लौटाने के लिए वह तथा उसका एक प्रतिभू संयुक्त रूप में तथा पृथक-पृथक रूप में बाध्य होंगे सरकार को खर्च की राशि के बारे में निर्णय करने का एक-मात्र अधिकार होगा।

अप्रैन्टिस की शुरु में एक चार वर्षीय प्रायोगिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण इस आशय के बाधक अनुबंध पत्र के अंतर्गत लेना होगा कि यदि जरूरत पड़ी तो उन्हें प्रशिक्षण पूरा होने पर भारतीय रेलवे में सेवा करनी पड़ेगी। उसकी अप्रैन्टिसशिप एक वर्ष बाद दूसरे वर्ष तभी रखी जाएगी जब जिस अधिकारी के अधीन वह कार्य कर रहा है उससे संतोषजनक रिपोर्ट मिल जाती है। अप्रैन्टिसशिप के दौरान यदि किसी समय वह अपने वरिष्ठ अधिकारी को इस बारे में संतुष्ट नहीं करता है कि वह अच्छी प्रगति कर रहा है तो उसे अप्रैन्टिसशिप से अलग कर दिया जाएगा।

टिप्पणी :—भारत सरकार अपनी विवक्षा पर प्रशिक्षण की अवधि तथा कोर्स में कोई परिवर्तन या संशोधन कर सकती है।

2. अप्रैन्टिसशिप की चार वर्ष तक उपर्युक्त प्रायोगिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण किसी रेलवे वर्कशॉप में दिया जाएगा। स्पेशल क्लास अप्रैन्टिसों को इस अवधि के दौरान या तो काउन्सिल आफ इंजीनियरिंग इन्स्टीटयूशन एग्जामिनेशन (लंदन) का भाग-1 और भाग-2 इन्स्टीटयूशन आफ इन्जीनियर्स (इण्डिया) एग्जामिनेशन की एसोसिएट मेम्बरशिप का सैकशन 'ए' और 'बी' अवश्य पास करना चाहिए। अप्रैन्टिसों को पहले और दूसरे वर्षों के दौरान 1300/-रु. प्र. मा. छात्रवृत्ति तथा तीसरे और चौथे वर्षों के दौरान क्रमशः 1400/- और 1500/-रु. प्र. मा. छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। अप्रैन्टिसशिप के दौरान उम्मीदवारों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। इससे कूल छः सिमेस्टर परीक्षाएं होंगी जिनमें प्रत्येक का उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा यदि वे किसी परीक्षा में असफल रहने हैं तो उनके निष्पादन को देखते हुए उन्हें परक परीक्षा में बैठने और इसमें उत्तीर्ण होने या उगले निचले बैच में चले जाने का या अप्रैन्टिसशिप से हट जाने का कड़ा जाएगा।

टिप्पणी :—सिवाए जैसा कि नीचे पैराग्राफ 4 में व्यवस्था है या वह अनधीनता असंयम या अन्य कदाचार का दोषी पाया जाता है या कोई करार भंग कर दिया जाता है अप्रैन्टिसशिप से हटाने के लिए एक सप्ताह का नोटिस दिया जाएगा।

3. उपर्युक्त पैरा 2 में निर्दिष्ट प्रशिक्षण को चौथा वर्ष पूरा होने में पहले अप्रैल की एक सूची दी गई परीक्षा या अप्रैल-सिप की अवधि के दौरान प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर योग्यताक्रम में तैयार की जाएगी। सफल अप्रैल-सिप यांत्रिकी इंजीनियरों को भारतीय रेल सेवा में तीन वर्ष की परिवीक्षा पर नियुक्त किए जाएंगे।

टिप्पणी —किसी भी प्रशिक्षु को अर्हक स्तर पर योग्यता से युक्त तभी माना जाएगा जब उसकी प्रशिक्षण की छह सिमेस्टर परीक्षाओं की अवधि में संचालित सभी परीक्षाओं में उसको कुल मिलाकर कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त हों, जिसमें भारतीय रेलवे यांत्रिकी व वैद्युत इंजीनियरी संस्थान जमालपुर के प्रधानाचार्य तथा उप मुख्य यांत्रिकी इंजीनियर के प्रतिवेदनों में प्राप्त अंक भी शामिल होंगे। यह भी जरूरी है कि छह सिमेस्टर परीक्षाओं की इस अवधि में प्रत्येक वर्ष कुल मिलाकर कम से कम 45 प्रतिशत और प्रत्येक विषय में कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त हों।

4. असफल प्रशिक्षुओं को, एक महीना पहले यह सूचना देकर कि उसकी प्रशिक्षता असफल रही, प्रशिक्षता से निवृत्त कर दिया जाएगा।

5. अप्रैल-सिप के चार वर्ष सफलतापूर्वक पूरे करने के बाद परिशिष्ट 4 के नीचे पैरा 1 के परन्तुक की शर्तों के अनुसार अप्रैल-सिप को यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा के अधिकारियों के वेतन एवं सेवा की सामान्य शर्तों के विवरण परिशिष्ट-4 में दिए गए हैं।

#### परिशिष्ट-4

यांत्रिकी इंजीनियरों का भारतीय रेल सेवा से संबंधित विवरण

1. परिवीक्षा की अवधि तीन वर्ष होगी। परिवीक्षकों के रूप में नियुक्ति और वेतन का आरम्भ (क) अप्रैल-सिप की 4 वर्ष की अवधि के समाप्त होने की तारीख से या (क) प्रशिक्षण के पूरा करने की वास्तविक तारीख से जो भी बाद की हो, माना जाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि उन स्पेशल क्लाम अप्रैल-सिप के जो अपने अप्रैल-सिप के 4 वर्ष के भीतर ए. एम. आई. एम. ई. (लन्दन) के भाग 1 और 2 ई. ए. एम. आई. (इण्डिया) के भाग ए. और बी. परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाएंगे तो उन्हें केवल उसी तारीख से परिवीक्षकों के पद पर नियुक्त किया जाएगा जिसमें वे इन परीक्षाओं में से किसी एक में पूर्ण रूप से सफल होंगे।

नोट :—(1) परिवीक्षकों को सेवा में बनाए रखने और उनके वार्षिक वेतन वृद्धियां स्वीकृत करने के बारे में तब ही विचार किया जाएगा जब तक उनके कार्य के सम्बन्ध में वर्ष के अन्त में संतोषजनक रिपोर्ट प्राप्त न हो जाए;

(2) किसी भी ओर से तीन मास का नोटिस दिए जाने पर परिवीक्षकों की सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं।

2. परिवीक्षा के प्रथम और द्वितीय वर्षों में उनके एक या अनेक भारतीय रेलवे केंद्रों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा जिसके लिए एक निर्धारित पाठ्यक्रम होगा और यह समय-समय पर संशोधित भी हो सकता है। परिवीक्षाधीन अधिकारियों को कार्य समय के बाद किसी प्राविधिक महाविद्यालय में या इंजीनियरी विषयों पर विशिष्ट भाषण सुनने के लिए भेजा जा सकता है। प्रशिक्षण को इस दो वर्ष की अवधि में प्रशिक्षण की प्रत्येक दशा के बाद अभियंता और जिस रेलवे में परिवीक्षित की नियुक्ति होती है, यहां के मुख्य परिचालक अधीक्षक द्वारा सम्मिलित रूप से आयोजित होगी। जिसमें अर्हता प्राप्त करने के लिए 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे।

3. परिवीक्षा की अवधि में उनके रेलवे कर्मचारी महा-विद्यालय, बड़ौदा में एक निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और महाविद्यालय के द्वारा आयोजित परीक्षा में उत्तीर्ण भी होना होगा महाविद्यालय की यह परीक्षा अनिवार्य होगी और इसमें दुबारा बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जब तक कुछ अप-वादिक परिस्थितियां न हों और अधिकारियों का कार्य लेख इस प्रकार की छूट को उपयुक्त प्रमाणित न करें। परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में जब तक ये परीक्षा में उत्तीर्ण न हों उनका स्थायीकरण नहीं हो सकेगा और प्रशिक्षण और/या परिवीक्षा अवधि ग्राह्यवश्यक बढ़ा दी जाएगी। परिवीक्षा की अवधि के दो वर्ष पूरा होने के पहले उनका एक विभागीय परीक्षा में भी बैठना होगा जिसमें विषय होंगे—लेखा और प्राक्कलन सामान्य और आनवधिक नियम, कारखाना अधिनियम, कारीगर प्रतिपत्ति अधिनियम, श्रमिकों से काम कराने का कौशल तथा परिवीक्षा की अवधि में प्रत्येक अधिकारी को सौंपे गए कार्य या कार्यों में उनकी सामान्य अनु-प्रयुक्तता। उनको इस विभागीय परीक्षा में परिवीक्षा के दूसरे साल के अन्दर-अन्दर उत्तीर्ण होना पड़ेगा। इस परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में उनकी वेतन-वृद्धि रुकवा दी जाती है। निश्चित अवधि के अन्दर किसी जाति या सभी विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में उत्तीर्ण न होने के कारण जब परिवीक्षा की अवधि बढ़ानी पड़ती है, उस दशा में विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने और बढ़ाई गई परिवीक्षा अवधि के बाद स्थायी बनाए जाने पर पहले और उसके बाद की वेतन-वृद्धि की प्राप्ति समय-समय पर परिवर्तित नियमों और आदेशों के अनुसार नियंत्रित होगी। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि परीक्षा में दूसरी बार बैठने की अनुमति नियमानुसार नहीं दी जाती है जब तक कि कुछ अपवादिक परिस्थितियां न हों और प्रशिक्षण की अवधि में उम्मीदवार का कार्य लेख कुछ ऐसा न हो कि इस प्रकार की छूट उपयुक्त मालूम पड़े।

ध्यान दें : सरकार, अपने निर्णय के, किसी भी कार्यधारी पद की प्रशिक्षण अवधि में और परीक्षा अवधि में परिवर्तन कर सकती है। अगर किसी मामले में प्रशिक्षण की अवधि बढ़ा दी जाती है तो तदनुसार परिवीक्षा की समस्त अवधि बढ़ाई जाती है।

4. परिवीक्षाधीन अधिकारियों को देवनागरी लिपि में हिन्दी की किसी अनुमोदित स्तर की परीक्षा में पहले से ही उत्तीर्ण होना चाहिए या परिवीक्षा अवधि में उत्तीर्ण होना चाहिए। यह परीक्षा शिक्षा निदेशक, दिल्ली के माध्यम द्वारा आयोजित हिन्दी प्रवीण या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त और कोई मध्यम परीक्षा हो सकती है।

जब तक कोई परिवीक्षाधीन अधिकारी इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं करता है, तब तक उसको न स्थायी किया जा सकता है और

न उसकी वेतन सामयिक वेतनमान में रु. 2350.00 प्रतिमास तक बढ़ाया जा सकता है। अगर इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं कर पाता है तो उसकी सेवा समाप्त की जा सकती है। कोई छूट नहीं दी जा सकती।

5. सन् 1965 के बाद परीक्षा के आधार पर यांत्रिक इंजीनियरी, की भारतीय रेलवे सेवा में नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को, अपेक्षित होने पर, किसी रक्षा सेवा से या भारतीय रक्षा से सम्बन्धित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि तक काम करना होगा। अगर कोई प्रशिक्षण हो, तो इसमें, उस प्रशिक्षण की अवधि शामिल है।

परन्तु उस व्यक्ति को :

(क) परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने की तारीख से दस वर्ष समाप्त होने पर उपर्युक्त पद पर काम करने की आवश्यकता नहीं होगी,

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु पूरी हो जाने पर पूर्वोक्त सेवा नहीं करनी पड़ेगी।

6. यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा के अधिकारी :—

(क) पेंशन लाभ के पात्र होंगे और

(ख) राज्य रेलवे गैर अंशदायी भविष्य निधि में उक्त निधि के नियमों के अन्तर्गत अंशदान करेंगे—

जैसा कि उन रेलवे कर्मचारियों के जो अपनी नियुक्ति के दिन कार्यभार ग्रहण करते हैं लागू है।

7. परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में सेवा शुरू करने की तारीख से वेतन शुरू हो जाएगा। उपर्युक्त पैरा 3 के अधीन वेतन-वृद्धि हेतु सेवा भी उसी दिन से गिनी जाएगी वेतन आदि का विवरण इस परिशिष्ट के पैरा 10 में निम्नलिखित है।

8. इन विनियमों के अधीन भतीं हुए अधिकारी इस समय लागू नियमों के जो भारतीय रेल अधिकारियों पर लागू हैं अनुसार छुट्टी के पात्र होंगे।

9. सामान्यतः अधिकारी पूरी सेवा के लिए उसी रेल में लगे रहेंगे जहां उनकी पहली नियुक्ति होती है और किसी दूसरे रेल में उन्हें स्थानान्तरण का कोई अधिकार नहीं होगा किन्तु भारत सरकार को यह अधिकार है कि सेवा की परीक्षाओं को देखते हुए भारत में या बाहर किसी दूसरी रेल में परियोजना में

स्थानान्तरण कर सकें। अपेक्षित होने पर अधिकारियों को भारतीय रेल के स्टोर डिपार्टमेंट में सेवा करनी होगी।

10. यांत्रिक इंजीनियरों को भारतीय रेल सेवा में नियुक्ति अधिकारियों की इस समय वेतन की निम्न प्रकार दरें प्राप्त हैं :—

कनिष्ठ वेतनमान : रु. 2200-75-2800 द. रं.-  
100-4000/-

वरिष्ठ वेतनमान : रु. 3000-100-3500-125-4500/-

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड रु. 3700-125-4700-150-  
5000/-

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (1) रु. 5100-150-5700 (2)  
रु. 5900-200-6700/-

टिप्पणी 1 : परिवीक्षाधीन अधिकारियों को शुरू में कनिष्ठ वेतन मान का न्यूनतम दिया जाएगा और वेतन वृद्धि के लिए उनकी सेवा कार्यारम्भ की तारीख से गिनी जाएगी। किन्तु इससे पहले की उक्त समयमान में उनका वेतन 2275.00 रु. प्र. मा. से 2350.00 रु. प्र. मा. तक बढ़ाया जाएगा। उन्हें निर्धारित परीक्षा या परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी।

टिप्पणी 2 : यदि वे प्रशिक्षण के पहले दो वर्षों और परिवीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करने में असमर्थ रहते हैं 2275.00 रु. से 2350.00 तक वृद्धि रोक दी जाएगी जब निर्धारित अवधि के दौरान सभी विभागीय परीक्षाओं में असफल रहने के कारण प्रशिक्षण अवधि बढ़ानी पड़ी हो तब प्रशिक्षण की बढ़ो हुई अवधि की समाप्ति के पश्चात् उनके विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने पर उनका वेतन जिस तारीख को अन्तिम परीक्षा समाप्त होती है उसके बाद की तारीख से उक्त समयमान में उस व्यवस्था पर नियत किया जाएगा जो वे अन्यथा प्राप्त कर लेते। किन्तु उन्हें वेतन का कोई बकाया नहीं दिया जाएगा। ऐसे मामलों में भविष्यगत वेतन-वृद्धि की तारीख प्रभावित नहीं होगी।

11. वेतन-वृद्धि केवल अनुमोदित सेवा के लिए और विभागीय नियमों के अनुसार दी जाएगी।

12. प्रशासनिक ग्रेडों में पदोन्नति संस्वीकृत स्थापना में रिक्तियां होने पर ही होती है और पूरी तरह चयन पर आधारित होती है। केवल वरिष्ठता पदोन्नति का कोई अधिकार प्रदान नहीं करती है।

## PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 21st December 1992

## CORRIGENDUM

No. 126-Pres/92.—The following amendment is made in this Secretariat Notification No. 102-Pres/92, dated the 15th August, 1992, published in Part-I, Section-I of the Gazette of India, dated the 29th August, 1992 relating to the award of Police Medal for Meritorious service on the occasion of Independence Day, 1992.

## AT PAGE 17

For—SHRI RAUT YASHWANI SAKHARAM  
HEAD CONSTABLE  
Crime Branch,  
Thane, MAHARASHTRA.

Read—SHRI YASHWANI SAKHARAM RAUT  
HEAD CONSTABLE  
Crime Branch,

Thane,  
MAHARASHTRA.

G. B. PRADHAN,  
Director

## MINISTRY OF PETROLEUM &amp; NATURAL GAS

New Delhi, the 25th November 1992

## ORDER

Subject:—Regrant of Petroleum Exploration Licence to Oil and Natural Gas Commission for Kutch Offshore Block I extn. area measuring 10,313.0 sq. kms.

No. O-12012/14/92-ONG.D.IV.—In exercise of the powers conferred by clause (i) of Rules 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil and Natural Gas Commission, Tel Bhavan Dehra Dun (herein after referred to as Commission), a Petroleum Exploration Licence to prospect for petroleum for four years from 1st Jan., 1993 (1-1-1993) for Kutch Offshore Block I extn. area measuring 10,313 sq. kms., the particulars of which are given in Schedule 'A' annexed hereto.

The grant of Licence is subject to the term and conditions mentioned below:—

- (a) The Exploration Licence should be in respect of Petroleum.
- (b) If any minerals are found during the exploration work, the Commission should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof.
- (c) Royalty at the rate mentioned below shall be charged:
  - (i) Rs. 314/- per metric tonne or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing-head condensate.
  - (ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay and Accounts Officer, Ministry of Petroleum and Natural Gas, New Delhi.

- (d) The Commission shall within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government, a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing-head condensate and natural gas obtained during the preceding month in pursuance of the licence. The return shall be in the form given in Schedule 'B' annexed hereto.
- (e) The Commission shall deposit a sum of Rs. 50,000/- as security as required by rule 11 of the P&NG Rules, 1959.
- (f) The Commission shall pay every year in advance a fee in respect of the licence calculated at the following rates for each square kilometre or part thereof covered by the licence:—
  - (i) Rs. 8/- for the first year of the licence;

- (ii) Rs. 40/- for the second year of the licence;
- (iii) Rs. 200/- for the third year of the licence;
- (iv) Rs. 400/- for the fourth year of the licence;
- (v) Rs. 600/- for the first and second year of renewal.

- (g) The Commission shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration licence by giving not less than two months' notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of the rule 11 of the Petroleum & Natural Gas Rules, 1959.
- (h) The Commission shall immediately on demand submit to Central Government confidentially a full report of the Geological data of all the minerals found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government.
- (i) The Commission shall take preventive measures against the hazards of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.
- (j) This exploration licence shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959.
- (k) The Commission shall execute a deed of the Petroleum Exploration Licence in the form applicable to offshore areas as approved by the Central Government.
- (l) The Commission should render, Bathymetric, bottom samples, Current and magnetic data collected during the drilling/exploration operations/survey, to Ministry of Defence, Naval Headquarters in the usual manner.
- (m) The Commission should ensure security of oceanographic data.
- (n) The entire data is processed in India.
- (o) Foreign vessels if deployed for survey, are to undergo naval security inspection by a team of Indian Navy Specialists Officers prior to commencement of survey. A minimum of one month notice about the arrival of such vessel in India is to be given to facilitate deputation of the Inspection team.
- (p) A complete set of oceanographic data collected by the Commission in this area is made available free of cost to the Ministry of Defence/Chief Hydrographer.

## SCHEDULE 'A'

Geographical coordinates of Kutch Offshore Block I extn. area measuring 10,313.0 sq. kms.

Point	Latitude			Longitude		
K'	22°	45'	00"	67°	55'	00"
L	22°	45'	00"	68°	40'	00"
A	23°	00'	00"	68°	40'	00"
B	22°	45'	00"	69°	12'	00"
C	22°	45'	00"	69°	19'	00"
F	22°	33'	00"	69°	19'	00"
G	22°	33'	00"	68°	55'	00"
H	22°	12'	00"	68°	55'	00"
M	22°	10'	00"	68°	20'	00"
O'	22°	10'	00"	68°	05'	00"
O	21°	55'	00"	68°	05'	00"
Q	21°	55'	00"	68°	11'	30"
R	21°	39'	00"	65°	11'	30"
J	21°	39'	00"	67°	55'	00"

## SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas produced and value thereof.

Petroleum Exploration Licence for

Area

Month and Year

## A. Crude Oil

Total No. of Metric tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purpose of petroleum exploration operation approved by the Central Government	No. of Metric tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

## B. Casing-head condensate

Total number of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration approved by Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less Columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

## C. Natural Gas

Total number of cubic metres obtained	Number of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	Number of cubic metres used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government	Number of cubic metres obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

I, Shri \_\_\_\_\_ do hereby solemnly and sincerely declare and affirm that the information in this return is true and correct in every particular and make this declaration conscientiously believing the same to be true.

By order and in the name of the President of India.

(Signature)

M. MARTIN,  
Desk Officer

## ORDER

**Subject:—**Grant of Petroleum Exploration Licence to Oil and Natural Gas Commission for Cauvery Offshore CY-OS-90/1 Block area measuring 81.00 sq. kms.

**No. O-12012/26/92-ONG.D.IV.**—In exercise of the powers conferred by clause (i) of Rules 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil and Natural Gas Commission, Tel Bhavan, Dehra Dun (herein after referred to as Commission), a Petroleum Exploration Licence to prospect for petroleum for four years from 2nd September, 1992 (2-9-1992) for Cauvery Offshore CY-OS-90/1 Block area measuring 81.00 sq. kms., the particulars of which are given in Schedule 'A' annexed hereto.

The grant of Licence is subject to the terms and conditions mentioned below:—

- (a) The Exploration Licence should be in respect of Petroleum.
- (b) If any minerals are found during the exploration work, the Commission should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof.
- (c) Royalty at the rate mentioned below shall be charged:
  - (i) Rs. 314/- per metric tonne or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing-head condensate.
  - (ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay and Accounts Officer, Ministry of Petroleum and Natural Gas, New Delhi.

- (d) The Commission shall within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government, a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing-head condensate and natural gas obtained during the preceding month in pursuance of the licence. The return shall be in the form given in Schedule 'B' annexed hereto.
- (e) The Commission shall deposit a sum of Rs. 50,000/- as security as required by rule 11 of the P&NG Rules, 1959.
- (f) The Commission shall pay every year in advance a fee in respect of the licence calculated at the following rates for each square kilometre or part thereof covered by the licence:—
  - (i) Rs. 8/- for the first year of the licence;
  - (ii) Rs. 40/- for the second year of the licence;
  - (iii) Rs. 200/- for the third year of the licence;
  - (iv) Rs. 400/- for the fourth year of the licence;
  - (v) Rs. 600/- for the first and second year of renewal.
- (g) The Commission shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration licence by giving not less than two months' notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of the rule 11 of the Petroleum & Natural Gas Rules, 1959.

- (h) The Commission shall immediately on demand submit to Central Government confidentially a full report of the Geological data of all the minerals found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government.
- (i) The Commission shall take preventive measures against the hazards of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.
- (j) This exploration licence shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959.
- (k) The Commission shall execute a deed of the Petroleum Exploration Licence in the form applicable to offshore areas as approved by the Central Government.
- (l) The Commission should render, Bathymetric, bottom samples, Current and magnetic data collected during the drilling/exploration operations/survey, to Ministry of Defence, Naval Headquarters in the usual manner.
- (m) The Commission should ensure security of oceanographic data.
- (n) The entire data is processed in India.
- (o) Foreign vessels if deployed for survey, are to undergo naval security inspection by a team of Indian Navy Specialists Officers prior to commencement of survey. A minimum of one month notice about the arrival of such vessels in India is to be given to facilitate deputation of the Inspection team.
- (p) A complete set of oceanographic data collected by the Commission in this area is made available free of cost to the Ministry of Defence/Chief Hydrographer.

## SCHEDULE 'A'

Geographical coordination of Cauvery Offshore CY-OS-90/1 Block area measuring 81.00 sq.kms.

Point	Latitude				Longitude	
A	11°	19'	14"N	80°	03'	33"E
B	11°	20'	16"N	80°	01'	00"E
C	11°	18'	17"N	79°	58'	38"E
D	11°	14'	07"N	79°	58'	13"E
E	11°	13'	45"N	50°	02'	12"E

SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas

Produced and value thereof

Petroleum Exploration Licence for  
Area

Month and Year

A—Crude Oil

Total No. of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration operation approved by the Central Govern- ment	No. of Metric tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

B—Casing-head condensate

Total No. of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration approved by Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

C—Natural Gas

Total No. of cubic metres obtained	No. of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of cubic metres used for pur- poses of petroleum exploration approved by the Central Govern- ment	No. of cubic metres obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

I, Shri-----do hereby solemnly and sincerely declare, and affirm that the information in this return is true and correct in every particular and make this declaration conscientiously believing the same to be true.

By order and in the name of the President of India

(Signature)

M. MARTIN  
Desk Officer.

## ORDER

Subject:—Regrant of Petroleum Exploration Licence to Oil and Natural Gas Commission for RSP structure area measuring 600.00 sq. kms.

No. 0-12012/64/91-ONG D.IV.—In exercise of the powers conferred by clause (i) of Rules 5 of the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959, the Central Government hereby grants to the Oil and Natural Gas Commission, Tel Bhavan, Dehra Dun (hereinafter referred to as Commission) a Petroleum Exploration Licence to prospect for petroleum for four years from 18th March, 1991 (18-3-1991) for RSP structure area measuring 600.00 sq. kms., the particulars of which are given in Schedule 'A' annexed hereto.

The grant of Licence is subject to the term and conditions mentioned below:—

- (a) The Exploration Licence should be in respect of Petroleum.
- (b) If any minerals are found during the exploration work, the Commission should bring that to the notice of the Central Government with full particulars thereof.
- (c) Royalty at the rate mentioned below shall be charged:

(i) Rs. 314/- per metric tonne or such rates as may be fixed by the Central Government from time to time on all crude oil and casing-head condensate.

(ii) In case of natural gas, at such rates as may be fixed by the Central Government from time to time.

The royalty shall be paid to the Pay and Accounts Officer, Ministry of Petroleum and Natural Gas, New Delhi.

(d) The Commission shall within the first 30 days of every month, furnish to the Central Government, a full proper return showing the quantity and gross value of all crude oil, casing-head condensate and natural gas obtained during the preceding month in pursuance of the licence. The return shall be in the form given in Schedule 'B' annexed hereto.

(e) The Commission shall deposit a sum of Rs. 50,000/- as security as required by rule 11 of the P&NG Rules, 1959.

(f) The Commission shall pay every year in advance a fee in respect of the licence calculated at the following rates for each square kilometre or part thereof covered by the licence:—

- (i) Rs. 8/- for the first year of the licence;
- (ii) Rs. 40/- for the second year of the licence;
- (iii) Rs. 200/- for the third year of the licence;
- (iv) Rs. 400/- for the fourth year of the licence;
- (v) Rs. 600/- for the first and second year of renewal.

(g) The Commission shall be at liberty to determine the relinquishing of any part of the area covered by the exploration licence by giving not less than two months' notice in writing to the Central Government as required by sub-rule (3) of the rule 11 of the Petroleum & Natural Gas Rules, 1959.

(h) The Commission shall immediately on demand submit to Central Government confidentially a full report of the Geological data of all the minerals found during the exploration of oil and natural gas and shall submit without fail every six months the results of all operations, boring and exploration to the Central Government.

(i) The Commission shall take preventive measures against the hazards of fire under sea bed and/or on the surface and shall keep such equipment, supplies and means to extinguish the fire at all times and shall pay such compensation to third party and/or Government as may be determined in case of damage due to the fire.

(j) This exploration licence shall be subject to the provisions of the Oil Fields (Regulation and Development) Act, 1948 (53 of 1948) and the Petroleum and Natural Gas Rules, 1959.

(k) The Commission shall execute a deed of the Petroleum Exploration Licence in the form applicable to offshore areas as approved by the Central Government.

(l) The Commission should render, Bathymetric, bottom samples, Current and magnetic data collected during the drilling/exploration operations/survey, to Ministry of Defence, Naval Headquarters in the usual manner.

(m) The Commission should ensure security of oceanographic data.

(n) The entire data is processed in India.

(o) Foreign vessels if deployed for survey, are to undergo naval security inspection by a team of Indian Navy Specialists Officers prior to commencement of survey. A minimum of one month notice about the arrival of such vessel in India is to be given to facilitate deputation of the Inspection team.

(p) A complete set of oceanographic data collected by the Commission in this area is made available free of cost to the Ministry of Defence/Chief Hydrographer.

## SCHEDULE 'A'

Geographical coordinates for RSP structure are measuring 600.00 sq. kms.

Point	Latitude			Longitude		
A	18°	00'	00"	72°	03'	00"
B	18°	00'	00"	72°	12'	00"
C	17°	40'	00"	72°	12'	00"
D	17°	40'	00"	72°	03'	00"



## SCHEDULE 'B'

Monthly return of crude oil, casing-head condensate and natural gas

Produced and value thereof

Petroleum Exploration Licence for

Area

Month and Year

## A.—Crude Oil

Total No. of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration operation approved by the Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

## B—Casing-head condensate

Total Number of Metric Tonnes obtained	No. of Metric Tonnes unavoidably lost or returned to natural reservoir	No. of Metric Tonnes used for purposes of petroleum exploration approved by Central Government	No. of Metric Tonnes obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

## C—Natural Gas

Total Number of cubic metres obtained	Number of cubic metres unavoidably lost or returned to natural reservoir	Number of cubic metres used for purposes of petroleum exploration approved by the Central Government	Number of cubic metres obtained less columns 2 and 3	Remarks
1	2	3	4	5

I, Shri \_\_\_\_\_ do hereby solemnly and sincerely declare and affirm that the information in this return is true and correct in every particular and make this declaration conscientiously believing the same to be true.

By order and in the name of the President of India.

(Signature)

M. MARTIN, Desk Officer.

## MINISTRY OF WATER RESOURCES

New Delhi, the 29th October 1992

## CORRIGENDUM

No. 14/1/92-Hindi.—The initial paragraph of this Ministry's Resolution of even number dated 4th August, 1992 may be read as under:—

"No. 14/1/92-Hindi.—In continuation of this Ministry's Resolution No. 14/1/89-Hindi dated 3rd January, 1992 the Government of India has decided to modify the Constitution of the Hindi Sahakar Samiti of the Ministry of Water Resources. The Composition and functions etc. of this Committee will be as under."

## ORDER

Ordered that a copy of this corrigendum be communicated to all the members of the Samiti all State Governments and Union Territories Adm. President Secretariat, P.M.'s Office, Cabinet Secretariat, Deptt. of Parl. Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Comptroller and Auditor General of India and all the Ministry/Deptts of Government of India.

Ordered also that the corrigendum be published in the Gazette of India for General information.

ABHAY PRAKASH, Jt. Secy.

## MINISTRY OF RAILWAYS

## RAILWAY BOARD

## RULES

New Delhi, the 2nd January 1993.

No. 92/E(GR)I/1/11.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1993 for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices in the Indian Railways Service of Mechanical Engineers, are published for general information.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

3. The examination will be conducted by the Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(e) a person, of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or from Zambia, Malawi, Za'ire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India. Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate must have attained the age of 16 years and must not have attained the age of 20 years on 1st January 1993, i.e. he must have been born not earlier than 2nd January 1973 and not later than 1st January, 1977

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable

(i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

(ii) Upto a maximum of three years if a candidate is a *bona-fide* repatriate of Indian origin from Kuwait or Iraq and has migrated to India from any of these countries after 15th May, 1990 but before 22nd November 1991

(iii) Upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and also is a *bona-fide* repatriate of Indian origin from Kuwait or Iraq, and has migrated to India from any of these countries after 15th May, 1990 but before 22nd November 1991.

(iv) upto a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

(v) upto a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof of who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(vi) upto a maximum of five years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1993, and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be com-

dicted within one year from 1st January, 1993 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service, or (iii) on invalidment.

(vii) upto a maximum of ten years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1993 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 1993) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

(viii) upto a maximum of five years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st January, 1993 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.

(ix) upto a maximum of ten years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st January, 1993 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

NOTE I—The term Ex-servicemen will apply to the persons who are defined as Ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules, 1979 as amended from time to time.

NOTE II—Candidates falling under Rule 5(b)(ii) to (ix) who do not belong to Scheduled Caste and Scheduled Tribe are not eligible for age concession if they have already joined any Govt. job on civil side after availing of the age concession.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate—

(a) must have passed in the first or second division the Intermediate or an equivalent Examination of a University or Board approved by the Government

of India with Mathematics and at least one of the subjects physics and Chemistry as subjects of the examination.

Graduates with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as their degree subjects may also apply, or

(b) must have passed in the first or second division the Higher Secondary (12 years) Examination under 10 plus 2 pattern of School Education with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subject of the examination, or

(c) must have passed the first year Examination under the three-year degree course of a University or the first examination of the three-year diploma course in Rural Service of the National Council for Rural Higher Education or the third year Examination for promotion to the 4th year of the four-year B.A./B.Sc. (Evening College) Course of the Madras University with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination provided that before joining the degree/diploma course he passed the Higher Secondary examination or the pre-University or equivalent examination in the first or second division.

Candidates who have passed the first/second year examination under the three-year degree course in the first or second division with Mathematics and either Physics or Chemistry as subjects of the Examination may also apply : provided the first/second year examination is conducted by a University; or

(d) must have passed in the first or second division the Pre-Engineering Examination of a University, approved by the Government of India; or

(e) must have passed in the first or second division the Pre-Professional/Pre-Technological Examination of any Indian University or a recognised Board, with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the Examination conducted one year after the Higher Secondary or Pre-University stage; or

(f) must have passed the first year examination under the five-year Engineering Degree Course of a University : Provided that before joining the Degree Course, he passed the Higher Secondary Examination or Pre-University or equivalent examination in the first or second division.

Candidate who have passed the first year Examination of the five-year Engineering Degree Course in the first or second division may also apply provided the first year Examination is conducted by a University; or

(g) must have passed in the first or second division the Pre-Degree Examination of the Universities of Kerala and Calicut with Mathematics, and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

**Note I.**—Candidates who are not awarded any specific division by the University/Board either in the Intermediate or any other examination mentioned above will be considered educationally eligible provided their aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board concerned.

**Note II.**—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at the examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 30th August, 1993.

**Note III.**—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

**Note IV.**—Candidates who hold Diploma in Engineering awarded by the State Boards of Technical Education are not eligible for admission to the Special Class Railway Apprentices' Examination.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 5 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated document or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates alongwith their Admission Certificate permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the facts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; and/or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

- (ii) taking the representation, if any submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion, shall be summoned by them for the Personality Test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for the Personality Test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for the Personality Test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. (i) After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination as well as interview and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified at the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(ii) The candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, may, to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for selection to the Service.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the Railways Service.

16. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who (after such physical examination as Government

or the appointing authority, as the case may be, may prescribe) is found not satisfy those requirements will not be appointed.

All candidates, who qualify for interview on the basis of written part of the examination, are required to undergo medical examination on the next working day following the date of interview (there shall be no medical examination on Saturday, Sunday and Closed Holidays). For this purpose, the successful candidates will be required to present themselves, before the Additional Chief Medical Officer, Central Hospital, Northern Railways, Basant Lane, New Delhi at 9.00 Hrs. In case the candidates are wearing glasses, they should take with them, the latest number of glasses to the Medical Board.

No request for change in the date of medical examination or in its venue would be acceded to.

*The candidates should note that no request for grant of exemption from medical examination will be entertained under any circumstances.*

The candidates may also please note :

(i) a sum of Rs. 16 (Rupees sixteen only) in cash, is required to be paid by them to the Medical Board;

(ii) no travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with the medical examination; and

(iii) the fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

**THE CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THEY WILL NOT RECEIVE ANY SEPARATE INTIMATION REGARDING MEDICAL EXAMINATION FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS.**

Note.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government medical officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II to these Rules. For the disabled ex-Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the service.

17. No person—

- (a) who entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

18. Conditions of apprenticeship for the Special Class Apprentices selected through this examination are given in Appendix III. Brief particulars relating to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers are also given in Appendix.

MASHUZZAMAN  
Secy., Railway Board.

## APPENDIX I

(See Rule 3)

The examination shall be conducted according to the following plan.

Part I—Written examination carrying a maximum of 700 marks in the subject as shown below;

Part II—Personally Test carrying a maximum of 200 marks (Vide Rule 12).

2. The subjects of the written examination under Part I, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject/paper shall be as follows:—

Sl. No.	Subjects	Code No.	Time Allowed	Maximum Marks
1.	English	01	2 Hours	100
2.	General Knowledge	02	2 Hours	100
3.	Physics	03	2 Hours	100
4.	Chemistry	04	2 Hours	100
5.	Mathematics I (Algebra, Elementary Mensuration Trigonometry & Analytic Geometry)	05	2 Hours	100
6.	Mathematics II (Calculus-Differential and Integral and Mechanics Statics and Dynamics)	06	2 Hours	100
7.	Psychological Test	07	1 Hour	100
Total				700

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL APPENDED TO COMMISSION'S NOTICE (ANNEXURE-II). THE QUESTION PAPERS WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

4. IN THE QUESTION PAPERS, WHEREVER NECESSARY QUESTIONS INVOLVING THE METRIC SYSTEM OF WEIGHTS AND MEASURES ONLY WILL BE SET.

5. Question papers will be approximately of the Intermediate standard.

6. Candidates must write the answers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

7. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

8. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

9. The candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

## SCHEDULE

English (Code No. 01)

The questions will be designed to test the candidate's understanding and command of the language.

General Knowledge (Code No. 02)

The paper aims at testing a candidate's general awareness of the environment around him and its application to society. The standard of answers to questions should be as expected of students of standard 12 or equivalent.

*Man and his environment*

Evolution of life, plants and animals, heredity and environment—Genetics, cells, chromosomes, genes.

Knowledge of the human body—nutrition, balanced diet, substitute foods, public health and sanitation including control of epidemics and common diseases. Environmental pollution and its control. Food adulteration, proper storage and preservation of foodgrains and finished products, population explosion, population control, Production of food and raw materials. Breeding of animals and plant, artificial insemination, manures and fertilisers, crop protection measures, high yielding varieties and green revolution, main cereal and cash crops of India.

Solar system and the earth, Seasons, Climate, Weather Soil—its formation, erosion. Forests and their uses. Natural calamities cyclones, floods, earthquakes, volcanic eruptions. Mountains and rivers and their role in irrigation in India. Distribution of natural resources and industries in India. Exploration of under-ground minerals including Oil. Conservation of natural resources with particular reference to the flora and fauna of India.

*History, Politics and Society in India*

Vedic, Mahavir, Buddha, Mauryan, Sunga, Andhra, Kushan, Gupta ages (Mauryan Pillars, Stupa Caves, Sanchi, Mathura and Gandharva Schools; Temple architecture, Ajanta and Elora). The rise of new social forces with the coming of Islam, and establishment of broader contacts. Transition from feudalism to capitalism. Opening of European contacts. Establishment of British rule in India. Rise of nationalism and national struggle for freedom culminating in Independence.

Constitution of India and its characteristic features—democracy, Secularism, Socialism, equality of opportunity and Parliamentary form of Government. Major political ideologies—democracy, socialism, communism and Gandhian idea of non-violence. Indian political parties, pressure groups, public opinion and the press, electoral system.

India's foreign policy and non-alignment—arms race balance of power. World organisations—political, social, economic and cultural. Important events (including sports and cultural activities) in India and abroad during the past two years.

Broad features of Indian social system : the caste system, hierarchy—recent changes and trends. Minority social institution—marriage, family, religion and acculturation.

Division of labour, co-operation, conflict and competition. Social control—reward and punishment, art, law, customs, propaganda, public opinion, agencies of social control—family, religion, state educational institutions; factors of social change—economic, technological, demographic, cultural; the concept of revolution.

Social disorganisation in India—Casteism, communalism, corruption in public life, youth unrest, beggary, drugs, delinquency and crime, poverty and unemployment.

Social planning and welfare in India community development and labour welfare; welfare of Scheduled Castes and backward classes.

Money taxation, price demographic trends, national income, economic growth. Private and Public Sectors; economic and non-economic factors in planning, balanced versus imbalanced growth, agricultural versus industrial development; inflation and price stabilisation problem of resource mobilisation: India's Five Year Plans.

#### PHYSICS (Code No. 03)

Length measurements using vernier, screw gauge, spherometer and optical lever.

Measurement of time and mass.

Straightline motion and relationships among displacement, velocity and acceleration.

Newton's laws of motion, Momentum, impulse, work, energy and power.

Coefficient of friction.

Equilibrium of bodies under action of forces. Moment of a force couple. Newton's law of gravitation, Escape velocity.

Acceleration due to gravity

Mass and Weight, Centre of gravity, Uniform circular motion, Centripetal force, simple Harmonic motion. Simple pendulum.

Pressure in a fluid and its variation with depth, Pascal's law. Principle of Archimedeas. Floating bodies, Atmospheric pressure and its measurement.

Temperature and its measurement. Thermal expansion, Gas laws and absolute temperature. Specific heat, latent heat and their measurement. Specific heats of gases, Mechanical equivalent of heat. Internal energy and First law of thermodynamics, Isothermal and adiabatic changes. Transmission of heat thermal conductivity.

Wave motion, Longitudinal and transverse waves. Progressive and stationary waves. Velocity of sound in a gas and its dependence on various factors. Resonance phenomena (air columns and strings).

Reflection and refraction of light. Image formation by curved mirrors and lenses, Microscopes and telescopes. Defects of vision.

Prism, deviation and dispersion, Minimum deviation, Visible spectrum.

Field due to a bar magnet, Magnetic moment, Elements of Earth's magnetic field. Magnetometers. Dia, para and ferromagnetism.

Electric charge, electric field and potential, Coulomb's law.

Electric current; electric cells, e.m.f. resistance, Ammeter and voltmeters. Ohm's law; resistances in series and parallel, specific resistance and conductivity. Heating effect of current.

Wheatstone's bridge, Potentiometer

Magnetic effect of current; straight wire, coil and solenoid, electromagnetic; electric bell.

Force on a current-carrying conductor in magnetic field, moving coil galvanometer; conversion to ammeter or voltmeter.

Chemical effects of current; Primary and storage cells and their functioning. Laws of electrolysis.

Electromagnetic induction; Simple A.C. and D.C. generator Transformers. Induction coil;

Cathode rays, discovery of the electron. Bohr model of the atom. Diode and its use as a rectifier.

Production, properties and uses of X-rays.

Radioactivity; Alpha, Beta and Gamma rays.

Nuclear energy; fission and fusion, conversion of mass into energy, chain reaction.

#### CHEMISTRY (Code No. 04)

##### Physical Chemistry

Atomic structure; Earlier models in brief. Atom as a three dimensional model. Orbital concept. Quantum numbers and their significance, only elementary treatment. Pauli's Exclusion Principle. Electronic configuration, Aufbau Principle, s,p,d. and f. block elements.

Periodic classification only long form. Periodicity and electronic configuration. Atomic radii, Electro-negativity in periods and groups.

2. Chemical Bonding, Electro-valent covalent. Coordinate covalent bonds. Bond Properties, sigma and Pie bonds, Shapes of simple molecules like water, hydrogen sulphide, methane and ammonium chloride. Molecular association and hydrogen bonding.

3. Energy changes in a chemical reaction. Exothermic and Endothermic Reactions. Application of First Law of Thermodynamics, Hess's Law of constant heat summation.

4. Chemical Equilibria and rates of reactions. Law of Mass action, Effect of Pressure, Temperature and concentration on the rates of reaction. (Qualitative treatment based on Le Chatelier's Principle). Molecularity, First and Second order reaction. Concept of Energy of activation. Application, to manufacture of Ammonia and Sulphur trioxide.

5. Solutions : True solutions, colloidal solutions and suspensions, Colligative properties of dilute solutions and determination of Molecular weights of dissolved substances, Elevation of boiling points. Depressions of freezing point, osmotic pressure. Raoult's Law (Non-thermodynamic treatment only).

6. Electro-Chemistry : Solution of Electrolytes. Faraday's Laws of Electrolysis, ionic equilibria, Solubility product.

Strong and weak electrolytes, Acids and Bases (Lewis and Bronsteads concept). P.H. and Buffer solutions.

7. Oxidation—Reduction Modern electronic concept and oxidation number.

8. Natural and Artificial Radioactivity. Nuclear Fission and Fusion. Uses of Radioactive isotopes.

#### *Inorganic Chemistry*

Brief treatment of Elements and their industrially important compounds;

1. Hydrogen : Position in the periodic table. Isotopes of hydrogen. Electronegative and electropositive character. Water, hard and soft water, use of water in industries, Heavy water and its uses.

2. Group I Elements. Manufacture of sodium hydroxide, sodium carbonate, sodium bicarbonate and sodium chloride.

3. Group II Elements. Quick and slaked lime. Gypsum, Plaster of Paris. Magnesium sulphate and Magnesia.

4. Group III Elements. Borax, Alumina and Alum.

5. Group IV Elements. (Coal. Coke and solid Fuels, Silicates, Zolitis semi-conductors). Glass (Elementary treatment).

6. Group V Elements. Manufacture of ammonia and nitric acid. Rock phosphates and safety matches.

7. Group VI Elements. Hydrogen peroxide, allotropy of sulphur, sulphuric acid Oxides of sulphur.

8. Group VII Elements. Manufacture and uses of Fluorine, Chlorine, Bromine and Iodine. Hydrochloric acid. Bleaching powder.

9. Group O. (Noble gases) Helium and its uses.

10. Metallurgical Processes : General Methods of extraction of metals with specific reference to copper, iron, aluminium, silver, gold, zinc and lead. Common alloys of these metals : Nickel and manganese steels.

#### *Organic Chemistry*

1. Tetrahedral nature of carbin. Hybridisation and sigma pie bonds and their relative strength. Single and multiple bonds. Shapes of molecules. Geometrical and optical isomerism.

2. General methods of preparation, properties and reaction of alkanes, alkenes and alkynes, Petroleum and its refining—Its uses as fuel.

Aromatic hydrocarbons : Resonance and aromaticity. Benzene and Naphthalene and their analogues. Aromatic substitution reactions.

3. Halogen derivatives : Chloroform, Carbon Tetrachloride. Chlorobenzene. D.D.T. and Gammexane.

4. Hydroxy Compounds : Preparation, properties and uses of Primary, Secondary and Tertiary alcohols Methanol, Ethanol, Glycerol and Phenol. Substitution reaction at aliphatic carbon atom.

5. Ethers; Diethyl ether :

6. Aldehydes and ketones : Formaldehyde, Acetaldehyde, Benzaldehyde, acetone, acetophenone.

7. Nitro compounds amines : Nitrobenzene. TNT, Aniline Diazonium Compounds, Azodyes.

8. Carboxylic acid : Formic, acetic, benzoic and salicylic acids, acetyl salicylic acid.

9. Esters : Ethylacetate, Methyl salicylates, ethyl benzoate.

10. Polymers : Polythene, Teflon, Perspex, Artificial Rubber, Nylon and polyester fibres.

11. Nonstructural treatment of Carbohydrates, Fats and Lipids, amino acids and proteins—Vitamins and hormones.

#### *MATHEMATICS I (Code No. 05)*

##### *Algebra*

Number Systems—Natural numbers, integers, Rationals and Irrationals and their elementary properties.

Elementary Number Theory—Division algorithm. Prime and Composite numbers. Multiples and factors, Factorization Theorem, H.C.F. and L.C.M., Euclidean Algorithm. Logarithms and their use.



Basic Operations. Simple factors H.C.F., L.C.M. of polynomials, Solution of quadratic equations, relations between its roots and coefficients Division algorithm.

Laws of Indices, A.P. and G.P. Geometric series and its application—to recurring decimal fractions.

Permutation and Combinations. Binomial Theorems for positive integral index. Applications of Binomial Theorem for rational indices to approximations.

Simultaneous linear equations (upto three unknowns) and their solutions. Fitting of a quadratic curve  $y = a + bx + cx^2$  for given values of  $y$  at  $x^1$ ,  $x^2$  and  $x^3$ .

Simultaneous linear equations (upto three unknowns) and their graphs  $2 \times 2$  Matrices and elementary operations. Identity matrix. Inverse of a matrix. Determinants of order not exceeding 3.

#### *Elementary Mensuration*

Area of plane figures. Volumes and surfaces of cubes, pyramids, right circular cylinders; cones and spheres.

#### *Trigonometry*

Angles and their measures in grades and radians. Trigonometrical ratios.

Addition formulae. Sine, cosine, and tangent of multiples and sub-multiples of angles. Periodicity and graphs of sine, cosine and tangent. Solution of simple Trigonometric equations.

Simple cases of heights and distances.

#### *Analytic Geometry*

Equation of a line in a plane. General equation of first degree. Angles between two lines. Parallel and perpendicular lines.

Cartesian equation of a pair straight lines.

Equation of a circle. General equation. Equation of tangent and normal to a circle. Radical axis of two circles Family of circles.

Standard equations of parabola, ellipse and hyperbola. Equations of tangent and normals at a point on the curve.

#### *MATHEMATICS II (Code No. 06)*

##### *Calculus (Differential and Integral)*

Real functions through examples, their graphs, Composite and inverse functions. Algebra of real functions. Examples of rational and trigonometric functions and step function.

The notions of limit and continuity of a function and of sum difference, product and quotient of functions.

Derivative of a function at a point. Derivative as instantaneous rate of change and as slope of a curve.

6—391 G1/92

Derivative of sum difference product and quotient of functions. Derivatives of composite functions and of inverse of 1-1 functions. Derivatives of polynomial functions, rational functions, irrational functions, trigonometric functions and inverse trigonometric functions.

Primitives of functions and indefinite integrals.

Calculation of primitives in simple cases—integration by (simple) substitution and by parts.

*Mechanics (Vector methods would be permissible).*

Statics : Representation of a force, parallelogram of forces, Compositions and resolutions of forces. Like and unlike parallel forces. Moments, couples. Conditions of equilibrium—Concurrent forces and coplanar forces (not exceeding 4).

Triangle of forces.

Centre of gravity of simple bodies.

Work and power. Simple machines (lever, system of pulleys, gear).

Dynamics : Displacement, speed, velocity and acceleration of a particle. Motion in a straight line under constant acceleration. Simple problems on projectiles. Motion of two masses connected by a string. Conservation of energy.

#### *PSYCHOLOGICAL TEST (Code No. 07)*

The questions will be designed to assess the basic intelligence and mechanical aptitude of the candidates.

#### *PERSONALITY TEST*

Each candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career both academic and extramural. They will be asked questions on matters of general interest. Special attention will be paid to assessing their potential qualities of leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, power of practical application and integrity of character.

#### **APPENDIX II**

#### **REGULATION FOR THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES FOR APPOINTMENT TO THE INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS**

These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth the candidate should be hospitalised for investigation and X-Ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) However, the minimum standards for height and chest girth without which candidates cannot be accepted, the as below :

	Height	Chest girth fully expanded	Expan- sion
Male candidates . . .	152 Cm.	84 Cm.	5 Cm.
Female Candidates . . .	150 Cm.	79 Cm.	5 Cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals, etc. whose average height is distinctly lower.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of centimetres or halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made stand erect, with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulders blades behind and lies in same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted, and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, thus 84—89, 86—93, etc. In recording the measurements, fractions of less than  $\frac{1}{2}$  centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms, fraction of half a kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(i) *General*.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffer from any squint or morbid conditions of yes, eye lids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity*.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one for distant, the other for near vision. Each eye must be examined separately.

There shall be no limit for minimum normal eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The candidate will be examined with the apparatus and in accordance with the method prescribed by the Railway Board's Standing Advisory Committee of Medical Officers, to determine his acuity of vision.

N.B.—No candidate will be accepted for appointment whose standard of vision does not come up to requirement specified below :—

The standard of visual acuity with or without glasses should be as follows :—

	Distant Vision		Near Vision	
	Better Eye	Worse Eye	Better Eye	Worse Eye
For candidates . . .	6/6	6/12		
below 35 years . . .	or	or		
of age . . .	6/9	6/9	J-I	J-II

Note : (1)

(a) Total Myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00D.

(b) Total Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed+4.00D.

- (c) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological conditions being present which is likely to be progressive and effect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

NOTE : (2)

*Colour Vision :*

The testing of colour vision is compulsory and the result should be normal in respect of all candidates. Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridge's Green lantern shall be used for testing colour vision.

Colour perception should be graded into higher and lower grades depending upon the size of the aperture in the lantern as described below :—

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and the candidate	16 Feet	16 Feet
2. Size of the aperture	13 mm	13 mm
3. Time of exposure	5 Seconds	5 Seconds

Higher grade of colour perception is essential for Special Class Apprentices.

NOTE : (3)

The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE : (4)

*Night Blindness*

Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough test e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE : (5)

*Ocular conditions other than visual acuity :*

- Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.
- Squint*.—The presence of binocular vision is essential. Squint even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.
- One eyed persons*.—One eyed person will not be eligible for appointment.

NOTE : (6)

*Contact Lenses :*

During the medical examination of the candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot candles.

NOTE : (7)

It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidate for special reasons.

*7. Blood Pressure*

The board will use its discretion regarding Blood Pressure.

The rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic system over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement, etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea a clearance test should be done as a routine. The final decision as to fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

*Method of taking Blood Pressure*

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following terms of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sound are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which well-heard clear sound change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and vitiate the readings. Rechecking, if necessary, should be done only a few minutes after

complete deflation of the eardrum. (Sometimes, as the eardrum is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This Silent Gap may cause error in reading.

8 The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where the Medical Board finds Sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of the diabetes if existent for the glycosuria the Board finds the candidate cannot be standard of medical fitness requires they may deem the candidate "fit subject to the glycosuria being non-disturbant" and the Board will refer the case to a specified consultant in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialities will carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital, under strict supervision.

9 A women candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit till the confirmation is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case hearing is defective the candidate should be re-examined by an Ear Specialist, provided that, if the defect is of a temporary nature, remediable by operation but without the use of Hearing Aid, and provided further that the candidate has no progressive disease in the ear, he can be declared fit. The following are the guidelines for the medical examination authorities in this regard :—

(i) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal. Unfit for appointment as Special Class Apprentices.

(ii) Perceptive deafness both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Unfit for Appointment as Special Class Apprentices.

(iii) Perforation of tympanic membranes of central or marginal type. Any unhealed perforation of eardrum would disqualify but evidence of healing lesion would not be a cause for disqualification.

(iv) Rars with mastoid cavity Sub-normal hearing on one side/both sides. Unfit for appointment as Special Class Apprentices.

(v) Persistently discharging ear operated/inoperated. Temporarily unfit for both technical and non-technical jobs.

(vi) Chronic inflammatory/allergic condition of nose with or without bony deformities of nasal septum. (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.

(ii) If debrated nasal septum is present with symptoms temporarily unfit.

(vii) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx. (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or larynx-Fit.

(ii) Hoarseness or voice of severe degree if present then—Temporarily unfit. (i) Benign tumours Temporarily unfit.

(viii) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T. (ii) Malignant tumour Unfit for appointment as Special Class Apprentices.

(ix) Otosclerosis. If the hearing is within 3 decibels after operation with the help of hearing aid Fit.

(x) Congenital defects of ear, nose or throat. (i) If not interfering with functions—Fit.

(ii) Stuttering of severe degree—Unfit.

(xi) Nasal Poly.

Temporarily Unfit.

(b) that his/her speech is without impediment;

(c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well-filled teeth will be considered as sound);

(d) that the chest is well-formed and his/her chest expansion sufficient and that his/her heart and lungs are sound;

(e) that there is no evidence of any abdominal disease;

(f) that he/she is not reputed;

(g) that he/she does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;

(h) that his/her limbs, hands and feet are well-formed and developed and that there is free and perfect motion of all his/her joints;

(i) that he/she does not suffer from Inveterate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect.

(k) that he/she does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;

(l) that he/she bears marks of efficient vaccination; and

(m) that he/she is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

Note (a) Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above Service. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a second board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Note (b)—No appeal would be preferred after Appellate Medical Board and the decision of the Appellate Medical Board would be final.

#### Medical Board and their report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner;

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, of any of the candidate concerned.

2. No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

3. It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

4. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

5. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

6. In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated by the appointing authority to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

7. In cases where a Medical Board considers that minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

#### (A) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to the Medical Examination and must sign the Declara-

tion appended thereto. His attention should be specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters).

.....  
.....  
.....  
.....  
.....

2. State your age and birth place.

.....  
.....  
.....

3 Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribes etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.

.....

4 (a) have you ever had small pox, Intermittent or any other fever. Enlargement or suppuration of glands, Spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis.

OR

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment.

.....  
.....  
.....  
.....

5 Have you or any of your near relations been afflicted with consumption, serofula gout, asthma fits, epilepsy or insanity?

.....

6. Have you suffered from any form of nervousness due to overwork or any other cause?

.....

7. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
1	2	3	4
Mother's age if living and State of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
5	6	7	8

8. Have you been examined by a Medical Board before?

.....

9. If answer to the above is yes, please state what service/services you were examined for?

.....

10. Who was the examining authority ?

.....

11. When and where was the Medical Board held ?

.....

12. Result of the Medical Board's examination if communicated to you or if known.

.....

I declare all the above answers to be to the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature.....

Signed in my presence .....

Signature of Chairman of the Board  
Signed in

NOTE : The candidate will be made responsible to the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing and information he will incur the risk of losing the appointment and if appointed of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity

(B) Report of the Medical Board on (name of candidate)  
Physical Examination.

I. General Development :

Fair .....

Good .....

Poor .....

Nutrition Thin.....average.....

..... above .....

Weight ..... Best weight .....

When ..... Any recent change

in weight ? .....

Temperature .....

Girth of Chest :—

(1) After full inspiration

(2) After full expiration

2. Skin. Any obvious disease

3. Eyes :

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of vision

(5) Visual Acuity

(6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked eye	with glasses	Strength of glasses	
			Sph. Cyl.	Axis
Distant vision	R.E. L.E.			
Near vision	R.E. L.E.			
Hypermetropia (Manifest)	R.E. L.E.			

4. Ears : Inspection.....Hearing.....

Right Ear .....Left Ear .....

5. Glands .....Thyroid .....

6. Condition of teeth .....

7. Respiratory System : Does physical examination reveal any thing abnormal in the respiratory organs.  
.....  
.....

If yes, explain fully .....

8. Circulatory Systems :

(a) Heart : any organic lesion

Rate : Standing.....

After hopping 25 times .....

2 minutes after hopping .....

Blood pressure :

Diastolic : ..... Systolic .....

9. Abdomen Girth ..... Tenderness .....

..... Hernia .....

(a) Palpable : Liver.....

Spleen ..... Kidneys .....

Tumours .....

(b) Haemorrhoid ..... Fistula .....

10. Nervous system : Indications of nervous or mental disabilities.

11. Loco Motor System : Any abnormality .....

12. Genite Urinary System : Any evidence of Hydrocele Varicocele, etc.

Urine Analysis :

(a) Physical .....

(b) Spl. Gr. .....

(c) Albumen .....

(d) Sugar .....

(e) Casts .....

(f) Cells .....

13. Report of X-ray examination of Chest

14. Is there any thing in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?

NOTE : In case of a female candidate. If it is found that she is pregnant of 12 week standing or over the should be declared temporarily unfit vide regulation 9.

15. For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit.

Date.....

Place.....

President.....

Member.....

### APPENDIX III

#### Conditions of Apprenticeship for Special Class

#### Apprentices Selected through the Examination

The terms and conditions of Apprenticeship will be as set out in the form of agreement prescribed in the Indian Railway Establishment Manual, brief particulars of which are given below :

1. A candidate offered appointment as a Special Class Railway Establishment Manual, brief particulars of which in prescribed form binding himself and one surety jointly and severally, to refund, in the event of his failing to complete training as a Special Class Railway Apprentice or to accept the service as an officer on probation in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, if offered to him to the satisfaction of the Government, any moneys paid to him and any other moneys expended by Government on him, the Government being the exclusive judge of the quantum of such expense.

The apprentices will be liable to undergo practical and theoretical training for 4 years in the first instance under an indenture binding them, to serve on the Indian Railways on the completion of their training, if their services are required. The continuance of apprenticeship from year to year will depend on satisfactory reports being received from the authorities under whom the apprentices may be working. If at any time during his apprenticeship, any apprentice does not satisfy the superior authorities that he is making good progress, he will be liable to be discharged from the apprenticeship.

NOTE :—The Government of India may at their discretion alter or modify the periods and courses of training.

2. The practical and theoretical training referred to above will be given in a railway workshop for four years of their apprenticeship. Special Class Apprentices must pass within this period either Parts 1 and 2 of the council of Engineering Institutions Examination (London) or Section 'A' and 'B' of the Associate Membership of Institution of Engineers (India) Examinations. The apprentices will be granted a stipend of Rs. 350 per mensem during the 1st and 2nd years and Rs. 400 per mensem during the 3rd and 4th years. During the apprenticeship, the candidates will be required to undergo both theoretical and practical training. There will be in all six Semester Examinations passing each of which is compulsory. If unsuccessful at any of these examinations they will depending on their performance, be asked to sit for and pass in supplementary examination or reverted to the next lower batch or removed from apprenticeship.

NOTE :—Except as provided for in paragraph 4 below or in cases of discharge or dismissal due to insubordination, in temperance or other misconduct or breach of agreement a week's notice of discharge from apprenticeship will be given.

3. Before the completion of 4th year of training referred to in paragraph 2 above, the apprentices will be listed in order of merit on the results of the examination held and the reports on the apprentices received during the period of apprenticeship. Successful apprentices will be appointed on probation for 3 years in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

NOTE :—An apprentice will be considered to have obtained the qualifying standard if he obtains a minimum of 50 per cent marks in the aggregate in all the examinations held during the six Semester Examination of his training including the marks of the reports of the Principal, Indian Railways Institute of Mechanical and Electrical Engineers, Jamalpur and of the Deputy Chief Mechanical Engineer, provided that in each of the six Semester Examination he has obtained a minimum of 45 per cent marks in the aggregate and a minimum of 40 per cent marks in any one subject.

4. Unsuccessful apprentices will be discharged from their apprenticeship, one month's notice of discharge being given along with the intimation that the apprentice has been unsuccessful.

5. After successful completion of 4 years apprenticeship, the apprentices will be appointed as probationers in the Indian Railways Service of Mechanical Engineers subject to the proviso below para 1 in Appendix IV. Particulars as to pay and general conditions of service for officers of Indian Railway Service of Mechanical Engineers have been given in Appendix IV.

#### APPENDIX IV

##### *Particulars Regarding the Indian Railway Service of Mechanical Engineers*

1. The period of probation will be three years. The appointment and pay as probationers will commence from (a) the date of completion of 4 years of the apprenticeship or (b) the actual date of completion of training which ever is later :

Provided however that those Special Class Apprentices who could not pass Parts I & II of AMIME (London)/Parts A & B of AMIE (India) Examination within 4 years of their apprenticeship will be deemed to have been appointed as probationers only from the date when they pass in full either of these examinations.

NOTE :—(i) The retention in service of probationers and the grant of annual increments are subject to satisfactory reports on their work being received at the end of each year of probation.

(ii) The services of a probationer may be terminated on three months notice on either side.

2. During the 1st and 2nd year of probation they will be sent to one or more of the Indian Railways for undergoing training in accordance with the Syllabus prescribed for the purpose as modified from time to time. The probationers may also be required to attend after working hours, a technical college or special lectures on Engineering subjects. They will be given an oral test at the end of each phase of training during these two years of training and at the end of the 2nd year, they will be given a written test to be conducted jointly by the Chief Mechanical Engineer and the Chief Operating Superintendent of the Railway to which they are posted, on the training received by the probationers during this period. The qualifying marks at this test will be 50 per cent.

3. During the probationary period they will have to attend a prescribed course of training in the Railway Staff College, Baroda and to qualify in the test held in the College. The test in the College is compulsory and a second chance, in the event of failure, will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the officers is such as to justify such relaxation being made. Failure to pass the test may involve the termination of service, and in any case the officers will not be confirmed till they pass the test their period of training and/or probation being extended as necessary. Before the end of the second year of probation, they will be required to undergo a departmental examination which will include Accounting and Estimating, General and Subsidiary Rules, Factory Act, Workmen's Compensation Act, ability to handle labour and general application to work or works on which each Officer is engaged while on probation. They will be required to pass the departmental examination within the second year of the probationary period. Failure to pass the examination may result in termination of service and will, in any case, involve stoppage of increments. In case where the probationary period has to be extended for failing to pass any or all the departmental examination within the stipulated period on their passing the departmental examination and being confirmed after the expiry of extended period of probation the drawal of the first and subsequent increments will be regulated by the Rules and Orders in force from time to time. It must be noted that a second chance to pass any examination will as a rule not be given except under exceptional circumstances and only provided the other record of the candidate during the period of his training is such as to justify such relaxation being made.

NOTE.—The period of training and the period of probation against a working post may be modified at the discretion of Government. If the period of training is extended in any case due to the training not having been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended.

4. Probationers should have already passed or should pass during the period of probation an examination in Hindi in the Devanagiri script of an approved standard. The examination may be the "PRAVEEN" Hindi Examination which is conducted by the Directorate of Education, Delhi, or one of the equivalent Examination recognised by the Central Government.

No probationary officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 2350.00 per month unless he



fulfil this requirement; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

5. Any person appointed to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers shall, if so required, be liable to serve in any defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such a person

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as probationers;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

6. Officers of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers —

(a) will be eligible to pensionary benefits, and

(b) shall subscribe to the State Railway Non-Contributory Provident Fund under the Rules of that Fund

As applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

7. Pay will commence from the date of joining service as a probationer. Service for increments will also count from the same date subject to paragraph above. Particulars as to pay are contained in paragraph 10 of this Appendix.

8. Officers recruited under these regulations shall be eligible for leave in accordance with the rules for the time being in force applicable to officers of Indian Railways.

9. Officers will ordinarily be employed throughout their service on the Railway to which they may be posted on first appointment and will have no claim as a matter of right to transfer to some other Railway but the Government of India reserve the right to transfer such officers in the exigencies of service, to any other Railway or Project in or out of

India. Officers will be liable to serve in the Stores Department of Indian Railways if and when called upon to do so.

10. The following are the rates of pay at present admissible to officers appointed to Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

Junior scale : Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-

Senior scale : Rs. 3000-100-3500-125-4500/-

Junior Administrative Grade : Rs. 3700-125-4700-150-5000/-

Senior Administrative Grade : (i) Rs. 5100-150-5700/-

(ii) 5900-200-6700/-

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum of the Junior scale and will count their service for increment from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 2275.00 p.m. to Rs. 2350.00 p.m. in the time scale.

NOTE 2.—Increment from Rs. 2275.00 to Rs. 2350.00 will be stopped if they fail to pass departmental examinations within the first two years of the training and probationary period. In cases where the training period has to be extended for failure to pass all the departmental examinations within the stipulated period, on their passing the departmental examinations after expiry of the extended period of training their pay from the date following that on which the last examination ends, will be fixed at the stage, in the time scale, which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

11. The increments will be given for approved service only and in accordance with the rules of the Department.

12. Promotion to the Administrative grades are dependent on the occurrence of vacancies in the sanctioned establishment and are made wholly by selection, mere seniority does not confer any claims for such promotion.

